Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 204
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार,22 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

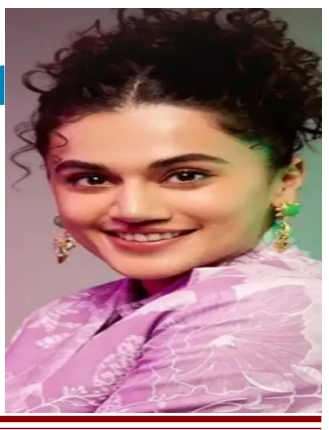

2 उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मुख्यमंत्री का

5 गले में दर्द के साथ नाक से आ रहा है पानी, इन

7 मैं शादीशुदा हूं ये भूल जाती हूं, तापसी पन्नू ने

सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे मेरठ

पीएम के कार्यक्रम की तैयारियों का किया निरीक्षण

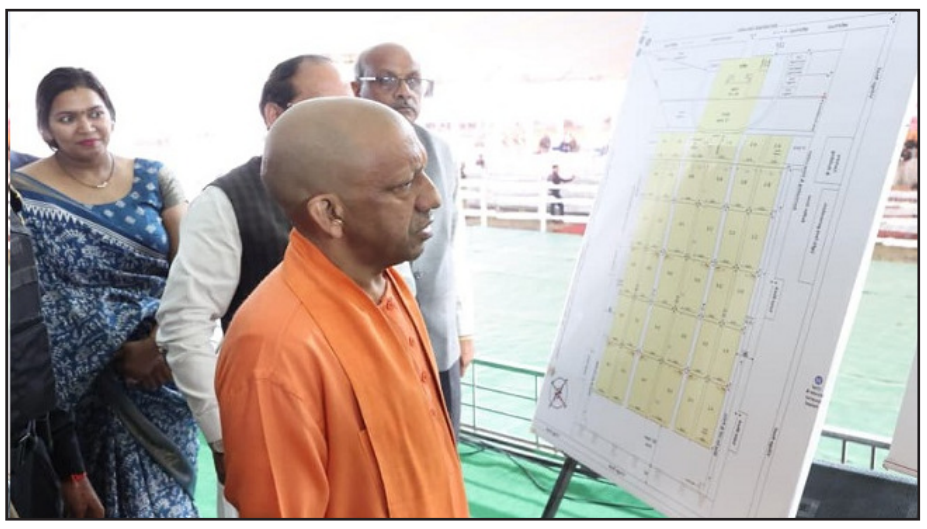

मेरठ। नमो भारत ट्रेन (रैपिड रेल) के दूसरे चरण तथा मेरठ मेट्रो के उद्घाटन के लिए रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेरठ पहुंचे। यहां लगभग डेढ़ घंटे रहकर उन्होंने नमो भारत-मेरठ मेट्रो के शताब्दीनगर स्टेशन और मेरठ साउथ स्टेशन पर जानकारी ली। मोहिउद्दीनपुर स्थित जनसभा स्थल पर पहुंचकर वहां की गई तैयारियों को देखा। तैयारियां देखकर मुख्यमंत्री संतुष्ट नजर आये। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यह ध्यान रखें कि शहर में जाम न लगे।इस दौरान उन्होंने जनसभा स्थल पर पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा दिशा निर्देश दिए। पार्टी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से उन्होंने जनसभा में आने वाले कार्यकताओं के पहुंचने के समय तथा उनके लिए विभिन्न व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया। 22 फरवरी रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की प्रथम रीजनल रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम नमो भारत ट्रेन के दूसरे चरण और मेरठ मेट्रो ट्रेन सुविधा का भी उद्घाटन करेंगे। शताब्दीनगर स्टेशन पर उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री मोहिउद्दीनपुर में विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियां का परीक्षण करने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार दोपहर लगभग 1.25 बजे हेलीकाप्टर से शताब्दीनगर नमो भारत-मेरठ मेट्रो स्टेशन पर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसौदिया, जिलाध्यक्ष हरबीर पाल, महानगर अध्यक्ष विवेक रस्तोगी, जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक, सांसद अरुण गोविल, कैंट विधायक अमित अग्रवाल, एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज, महापौर हरिकांत अहलूवालिया समेत विभिन्न जनप्रतिनिधि भी रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने एनसीआरटीसी, प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों से स्टेशन पर होने वाले कार्यक्रम की जानकारी ली। एनसीआरटीसी अधिकारियों ने ट्रेन संचालन तथा स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी उन्हें दी। यहां से हेलीकाप्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री मोहिउद्दीनपुर में जनसभा स्थल पर बनाए गए हेलीपैड पर पहुंचे तथा वहां से सड़क मार्ग से मेरठ साउथ स्टेशन पर पहुंचे। वहां की व्यवस्थाओं और तैयारियों को देखने के बाद वापस जनसभा स्थल पहुंचे। यहां अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करके व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा पार्टी पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जनसभा में शामिल होने वाले कार्यकताओं के आने और जाने तथा इस दौरान उनके लिए पानी और भोजन की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। लगभग तीन बजे मुख्यमंत्री हेलीकाप्टर से यहां से रवाना हो गए। कार्यक्रम की तैयारियों से मुख्यमंत्री खुश नजर आए। उन्होंने तैयारियों की सराहना की। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियो से कहा कि जितनी भी व्यवस्थाएं हैं सभी को लगा दीजिए। बस शहर में जाम न लगे।

अनिश्चितकाल के लिए स्थगित यूपी विधानसभा की कार्यवाही

लखनऊ,: प्रदेश सरकार के वित्तीय वर्ष 2026-27 का 9.12 लाख करोड़ का बजट विधानमंडल के दोनों सदनों में पारित हो गया

और इसी के साथ ही विधानमंडल की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नेता सदन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय समेत अन्य दलीय नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र 9 फरवरी को शुरू हुआ था। विधान सभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 11 फरवरी को विधान सभा में बजट प्रस्तुत किया था, जिसे आज ध्वनि मत से पारित किया गया। गलगोटिया, पता नहीं कहां का कुत्ता ले आया...पर माहौल हुआ हल्ला विधानसभा में प्राइमरी से लेकर निजी उच्च शिक्षा केंद्रों की बेतहाशा फीस को लेकर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने मुख्यमंत्री से कानून बनाने की मांग की। फीस संरचना पर सवाल उठाते हुए सरकार की नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कई निजी स्कूल- कालेज और विश्वविद्यालय शिक्षा के विस्तार से ज्यादा पूंजीपतियों के हित में काम कर रहे हैं। चर्चा के दौरान उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों पर कटाक्ष करते हुए टिप्पणी की कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी को देख लीजिए, पता नहीं कहां का कुत्ता ले आया, कहा कि हमने बनाया है। पूरे विश्व में हंसी का पात्र बनना पड़ा। उनके बयान के दौरान सदन में मौजूद सदस्यों के बीच हल्की हंसी देखने को मिली. इसी दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मुस्कुराते नजर आए। दिल्ली में आयोजित एआई इंपैक्ट समिट में गलगोटिया विश्वविद्यालय से जुड़े विवाद की गूंज गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी सुनायी दी। समाजवादी पार्टी के सदस्यों सचिन यादव और पंकज मलिक ने शून्य काल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए एआई इंपैक्ट समिट में उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में स्थित गलगोटिया विश्वविद्यालय के कथित दावे को लेकर उठे विवाद को छात्र-छात्राओं के भविष्य पर प्रश्न चिह्न लगाने वाला करार देते हुए राज्य सरकार से इसकी गहराई से जांच कराने की मांग की।

सार संक्षेप

दिल्ली में तपने लगा तापमान....

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने से धीरे-धीरे गर्मी बढ़ने लगी है। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि राजधानी में तेज धूप खिलने के साथ न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से लगभग 2.4 डिग्री ज्यादा है। विभाग ने संकेत दिया है कि अगले छह दिनों में तापमान बढ़ने का अनुमान है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक ज्यादा हो सकता है। विभाग के अनुमान के मुताबिक शहर में दिन के तापमान में भी तेजी से बढ़ोतरी होने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री से ज्यादा बढ़कर अगले हफ़्ते शुक्रवार तक 30 डिग्री के निशान को पार करके 33 डिग्री तक पहुंच सकता है। इस बीच, शुक्रवार को अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.9 डिग्री ज्यादा था। यह शनिवार को 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। तापमान बढ़ने के बावजूद, दिल्ली मेंपिछले 24 घंटों में दक्षिण-पश्चिमी हवाएं 13 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थीं।

लखनऊ में चेन स्नेचर का हाफ एनकाउंटर

लखनऊः लखनऊकेPGI इलाके में पुलिस ने एक चेन स्नेचर का हाफ एनकाउंटर किया। शुक्रवार देर रात पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। उसी दौरान एक बाइक सवार युवक भागने लगा। जब पुलिस ने पीछा किया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उसके बाएं पैर में पुलिस गोली लगी, जिससे उसका पैर टूट गया। उसे अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। उसकी पहचान चेन स्नेचर के रूप में हुई जिसने 3 दिन पहले महिला की चेन झपटी थी। उस पर 3 मुकदमे पहले से दर्ज हैं। आरोपी 17 फरवरी को महिला से चेन लूटने के बाद फरार चल रहा था। पुलिस टीम पर किया फायर डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया- ढक्कथाने की पुलिस बरौली पुल के नीचे चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान बिना नंबर प्लेट की हीरो स्ट्रीम बाइक उतरठिया की तरफ से आती दिखी। पुलिसकर्मियों ने बाइक सवार को रुकने का इशारा किया। इस दौरान बाइक सवार युवक ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के बाएं पैर मे गोली लगी और वह बाइक समेत सड़क पर गिर गया। आरोपी से तमंचा, 2 कारतूस एक चेन और 1700 रुपए बरामद किए गए।

पीएम मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति संग की बैठक

रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

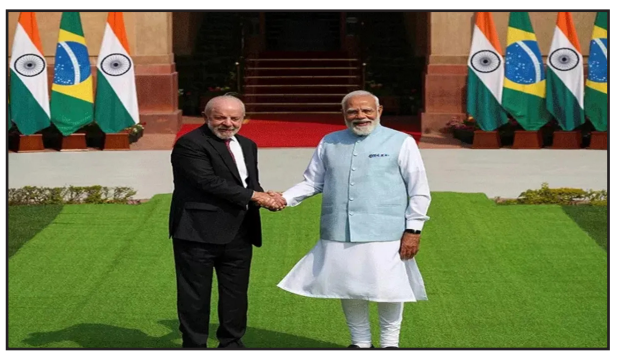

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने शनिवार को यहां प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की, जिसमें भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग विस्तार पर चर्चा की गयी। हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा तथा बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। वार्ता के दौरान भारत की ओर से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा, विदेश सचिव विक्रम मिस्री तथा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल उपस्थित थे। इससे पहले दा सिल्वा का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया गया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तथा पीएम मोदी ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति दा सिल्वा ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से भी मुलाकात की तथा राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।ब्राजील के राष्ट्रपति ने शुक्रवार को नयी दिल्ली में ब्राजीलिया की व्यापार एवं निवेश संवर्धन एजेंसी (एपेक्सब्राजील) के पहले कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह कार्यालय ब्राजील के उत्पादों और सेवाओं को विदेशों में बढ़ावा देने तथा ब्राजील की अर्थव्यवस्था के रणनीतिक क्षेत्रों में विदेशी निवेश आकर्षित करने में सहायक होगा। भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ दा नोब्रिगा ने दोनों नेताओं के बीच बढ़ते तालमेल को रेखांकित करते हुए कहा कि यह द्विपक्षीय संबंधों को ऐतिहासिक रूप से एक नये स्तर पर ले जा रहा है। उन्होंने बताया कि दा सिल्वा अपने साथ अब तक का सबसे बड़ा ब्राजीलिया का प्रतिनिधिमंडल लेकर आये हैं, जिसमें 11 से अधिक कैबिनेट मंत्री, 300 से ज्यादा कारोबारी और 50 मुख्य कार्यकारी अधिकारी शामिल हैं। दा सिल्वा की यह यात्रा मोदी की जुलाई 2025 में ब्रासीलिया यात्रा के बाद हो रही है, जो पांच दशकों से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ब्राजील की पहली यात्रा थी। दोनों नेताओं ने जनवरी में टेलीफोन पर बातचीत के दौरान क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया था और साझा वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार के महत्व पर बल दिया था।

छत्तीसगढ़ : 10वीं बोर्ड परीक्षा का आगाज, 3 .21 लाख विद्यार्थियों ने दी पहली परीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज से 10वीं बोर्ड परीक्षाओं की शुरूआत हो गई। प्रदेशभर के 6,839 स्कूलों से पंजीकृत 3,21,571 विद्यार्थियों ने पहले दिन हिन्दी विषय की परीक्षा दी। परीक्षा सुबह नौ बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित की गई। राज्य में इस वर्ष 2,510 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां सुरक्षा और गोपनीयता के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। राजधानी रायपुर के जे एन पांडेय स्कूल में परीक्षार्थियों का पारंपरिक रूप से तिलक लगाकर स्वागत किया गया, जिससे विद्यार्थियों का उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा। परीक्षा केंद्र से बाहर निकलने के बाद छात्रों ने बताया कि प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत सरल था और पेपर अच्छा होने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। कई विद्यार्थियों ने कहा कि पहले दिन की परीक्षा ने बोर्ड एग्जाम का डर काफी हद तक कम कर दिया। विद्यालय के लेक्चरर राघवेंद्र मिश्रा के अनुसार, निर्धारित छात्रों में से 115 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 6 छात्र परीक्षा देने नहीं पहुंचे। बोर्ड द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार 10वीं की परीक्षाएं 13 मार्च तक संचालित होंगी। परीक्षा केंद्रों में अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था की गई है। विद्यार्थियों को समय से पूर्व केंद्र पर पहुंचने और प्रवेश पत्र अनिवार्य रूप से साथ लाने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व शुक्रवार को 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं संपन्न हुई थीं। प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं को लेकर प्रशासन और शिक्षा विभाग पूरी तरह सतर्क है, ताकि परीक्षाएं शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो सकें।

गुजरात में दर्दनाक हादसा, डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार मिनीवैन, 5 यात्रियों की मौत, 6 घायल

गांधीनगर : गुजरात के उंझा-मेहसाणा राजमार्ग पर एक मिनीवैन के डिवाइडर से टकराने के बाद एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना तड़के उनावा गांव के निकट तब हुई, जब परिवार राजस्थान के पाली जिले में अपने पैतृक स्थान पर एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अहमदाबाद

लौट रहा था। उनावा पुलिस निरीक्षक पी.डी. दार्जी ने कहा, उंझा और मेहसाणा के बीच राजमार्ग पर मिनीवैन के चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनकी पहचान रामलाल कुमावत, कोमल कुमावत, कैलाशभाई कुमावत और आयुष कुमावत (04) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मेहसाणा सिविल अस्पताल में भर्ती कराए गए सात घायल यात्रियों में से मथुरादेवी कुमावत नामक एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई।

अयोध्या पहुंचे गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ. भरत जगदेव

रामलला के दर्शन कर लिया आशीर्वाद, परिसर का किया भ्रमण

अयोध्या : गुयाना गणराज्य के उपराष्ट्रपति डॉ. भरत जगदेव ने शनिवार को अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन किये, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। एक बयान के अनुसार, जगदेव सुबह करीब 11 बजे एक निजी विमान से महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचे। पारंपरिक शंखनाद और अन्य अवधी रीति-रिवाजों के बीच, राज्य सरकार की ओर से अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी

सहित जन प्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। बाद में जगदेव सड़क मार्ग से मंदिर परिसर की ओर बढ़े और भगवान राम के दर्शन किए। बयान के मुताबिक, अपनी लगभग एक से डेढ़ घंटे तक चली यात्रा के दौरान गुयाना के उपराष्ट्रपति ने कुबेर टीला और सप्त ऋषि मंदिर सहित परिसर के भीतर अन्य मंदिरों का भी दौरा किया। राम मंदिर परिसर में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने उपराष्ट्रपति जगदेव का स्वागत किया। मिश्रा के अनुसार, जगदेव ने जारी निर्माण कार्य की भव्यता की प्रशंसा की।

पत्नी-बच्चों संग आगरा पहुंचे क्रोएशिया के प्रधानमंत्री, ताजमहल का किया दीदार

आगरा : क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविक शनिवार को अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ ताजमहल देखने आगरा पहुंचे। वे दिल्ली से यमुना एक्सप्रेस-वे के रास्ते दोपहर करीब एक बजे आगरा स्थित एक निजी होटल पहुंचे, जहां भारतीय परंपरा के अनुसार उनका स्वागत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया। इसके बाद वे गोल्फ कार्ट के जरिए ताजमहल परिसर में प्रवेश किया।

परिवार के साथ करीब डेढ़ घंटे प्रधानमंत्री प्लेनकोविक अपने दौरान गाइड ने उन्हें स्मारक के इतिहास और स्थापत्य से संबंधित जानकारी दी। परिवार ने स्मारक के सामने फोटो सेशन भी कराया। उच्चस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर ताजमहल को आम पर्यटकों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। प्रशासन की ओर से आंतरिक गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई और न ही अंदर की कोई तस्वीर सार्वजनिक की गई।

एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर मायावती का बड़ा बयान

देश की छवि को नुकसान पहुंचाना ठीक नहीं

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने नई दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान हुए विरोध-प्रदर्शन पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इस घटना को अति-अशोभनीय व निन्दनीय करार देते हुए कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में इस प्रकार का आचरण देश की गरिमा और छवि को प्रभावित करता है। अपने आधिकारिक बयान में उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में आयोजित इस समिट में देश और विदेश के कई प्रमुख लोग आमंत्रित

थे और यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे में कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों द्वारा अर्धनग्न होकर विरोध प्रकट करना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने यह प्रदर्शन किया, उनमें अधिकतर कांग्रेसी युवा बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय स्तर का न होता तो बात अलग हो सकती थी, लेकिन वैश्विक मंच पर इस तरह की घटनाएं देश की इमेज को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मायावती ने सभी राजनीतिक दलों और युवाओं से अपील की कि विरोध दर्ज कराना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसका तरीका मर्यादित और जिम्मेदार होना चाहिए।

कौशल प्रशिक्षण में गुणवत्ता सुधार को योगी सरकार का बड़ा कदम, नई ग्रेडिंग नीति लागू

लखनऊ,: प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता सुधारने के लिए नई परफॉरमेंस-बेस्ड ग्रेडिंग नीति लागू की है। योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और युवाओं की रोजगार क्षमता को सशक्त बनाना है। मंत्री अग्रवाल ने बताया कि योगी सरकार कौशल विकास को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। पारदर्शी मूल्यांकन और गुणवत्ता आधारित प्रतिस्पर्धा से प्रदेश के युवाओं को विश्वस्तरीय कौशल प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उन्हें बेहतर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। नई नीति के तहत प्रशिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन हर वर्ष फरवरी के अंतिम दिन तक पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा और मार्च में ग्रेडिंग को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके आधार पर अप्रैल माह में प्रशिक्षण केंद्रों को नए लक्ष्य आवंटित किए जाएंगे। वर्ष 2026-27 के लिए ग्रेडिंग वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के औसत प्रदर्शन के आधार पर तय होगी, जिससे एक वर्ष के बजाय दीर्घकालिक कार्यक्षमता का संतुलित आकलन संभव हो सकेगा। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि केवल वही संस्थान ग्रेडिंग प्रक्रिया में शामिल होंगे जो फरवरी तक एम्पैनल हों और डिबार या ब्लैकलिस्ट न हों। संस्थानों को ए, बी, सी और डी श्रेणियों में वगीर्कृत किया जाएगा। 40 अंकों के मानक में 36-40 अंक पाने वाले संस्थान ए ग्रेड, 30-36 बी ग्रेड, 25-30 सी ग्रेड तथा 25 से कम अंक प्राप्त करने वाले डी ग्रेड में रखे जाएंगे। यह ग्रेडिंग प्रणाली नामांकन, प्रशिक्षण पूर्णता और परिणाम आधारित प्रदर्शन पर केंद्रित होगी। इसमें निजी प्रशिक्षण केंद्रों, राजकीय संस्थानों, दिव्यांग प्रशिक्षण केंद्रों, स्टार्टअप्स और डीडीयू-जीकेवाई समेत कुल 1712 प्रशिक्षण प्रदाताओं को शामिल किया गया है। नई व्यवस्था से बेहतर प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को अधिक अवसर मिलेंगे, जबकि कमजोर संस्थानों में सुधार का दबाव बढ़ेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मुख्यमंत्री का प्रतिनिधित्व करते हुए किया क्रोएशिया प्रधानमंत्री का स्वागत

आगरा/लखनऊ,: प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने क्रोएशिया गणराज्य के प्रधानमंत्री एंड्रेज प्लेनकोविक के आगरा आगमन पर उनका स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ

ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया। प्रधानमंत्री क्रोएशिया के आगमन पर उच्च शिक्षा मंत्री ने मुख्य सचिव एस.पी. गोयल के साथ पुष्पगुच्छ भेंट कर औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल का भ्रमण किया और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्थापत्य कला तथा वैश्विक महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उच्च शिक्षा मंत्री, प्रधानमंत्री क्रोएशिया के साथ आगरा किला भी पहुंचे। यहां उन्होंने उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर, पर्यटन संभावनाओं और सांस्कृतिक विविधता पर चर्चा करते हुए प्रदेश में बढ़ते वैश्विक आकर्षण को रेखांकित किया। मंत्री उपाध्याय ने आगरा और उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान, विरासत संरक्षण और पर्यटन विकास की योजनाओं की भी जानकारी दी। भ्रमण कार्यक्रम के उपरांत उच्च शिक्षा मंत्री ने प्रदेश सरकार की ओर से प्रधानमंत्री क्रोएशिया को औपचारिक विदाई दी गई।

2026 को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 04614/04613 अमृतसर-कटिहार-अमृतसर होली विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन अमृतसर से 25 फरवरी, 01 एवं 05 मार्च, 2026 को तथा कटिहार से 27 फरवरी, 03 एवं 07 मार्च, 2026 को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04614 अमृतसर-कटिहार होली विशेष गाड़ी 25 फरवरी, 01 एवं 05 मार्च, 2026 को अमृतसर से 14.15 बजे प्रस्थान कर व्यास जं. से 14.47 बजे, जलंधर सिटी से 15.25 बजे, ढंडारी कलां से 16.40 बजे, अम्बाला कैंट से 19.15 बजे, सहारनपुर से 20.30 बजे, दूसरे दिन मुरादाबाद से 00.15 बजे, बरेली से 01.42 बजे, शाहजहांपुर से 02.55 बजे, सीतापुर से 05.55 बजे, गोंडा से 08.45 बजे, बस्ती से 09.55 बजे, गोरखपुर जं0 से 11.25 बजे, सीवान से 13.25 बजे, छपरा से 14.45 बजे, सोनपुर से 16.52 बजे, हाजीपुर से 17.15 बजे, शाहपुर पटोरी से 18.10 बजे, बछवारा से 19.10 बजे, बरौनी से 20.40 बजे, खगड़िया से 21.40 बजे, मानसी से 22.00 बजे तथा नवगछिया से 23.10 बजे छूटकर तीसरे दिन कटिहार 01.00 पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 04613 कटिहार-अमृतसर होली विशेष गाड़ी 27 फरवरी, 03 एवं 07 मार्च, 2026 को कटिहार से 04.00 बजे प्रस्थान कर नवगछिया से 04.55 बजे, मानसी से 06.05 बजे, खगड़िया से 06.20 बजे, बरौनी से 07.35 बजे, बछवाड़ा से 08.00 बजे, शाहपुर पटोरी से 08.45 बजे, हाजीपुर से 09.50 बजे, सोनपुर से 10.07 बजे, छपरा से 12.05 बजे, सीवान से 13.05 बजे, गोरखपुर से 15.50 बजे, बस्ती से 16.52 बजे, गोंडा से 18.16 बजे, सीतापुर से 21.30 बजे, दूसरे दिन शाहजहांपुर से 00.10 बजे, बरेली जं. से 01.15 बजे, मुरादाबाद से 03.15 बजे सहारनपुर से 08.05 बजे, अम्बाला कैंट से 09.55 बजे, ढंडारी कलां से 11.20 बजे, जलन्धर सिटी से 12.35 बजे तथा व्यास से 13.10 छूटकर अमृतसर 14.40 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 14 कोच लगाये जायेंगे।

SIR के अंतर्गत 22 फरवरी को प्रदेशभर के बूथों पर चलाया जा रहा विशेष अभियान

लखनऊ, : प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अन्तर्गत दावा एवं आपत्ति अवधि में अधिक से अधिक संख्या में पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में सम्मिलित कराने तथा मतदाता सूची को शुद्ध करने के उद्देश्य से दावा एवं आपत्ति प्राप्त किये जाने हेतु चार विशेष अभियान दिवस आयोजित कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं। इन निदेशों के क्रम में पूर्व में दिनांक 11 जनवरी, 18 जनवरी तथा 31 जनवरी, 2026 को विशेष अभियान दिवस आयोजित किये गये थे। इसी कड़ी में रविवार, 22 फरवरी 2026 को प्रदेश के समस्त मतदेय स्थलों पर चौथा विशेष अभियान दिवस आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस विशेष अभियान दिवस को सफल बनाने के लिए समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विशेष अभियान दिवस में प्रत्येक मतदेय स्थल पर प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 1:30 बजे तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहेंगे। सभी बीएलओ के पास 6 जनवरी, 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची तथा पर्याप्त संख्या में सभी प्रकार के फार्म यथा 6, 6अ, 7 एवं 8 उपलब्ध रहेंगे। विशेष अभियान में प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क की व्यवस्था होगी जहाँ मतदाताओं को फार्म भरने में सहायता प्रदान की जाएगी। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को अभियान तिथि की जानकारी

देते हुए उनसे सहयोग प्राप्त किया जाएगा। सभासदों, ग्राम प्रधानों एवं स्वयंसेवकों का भी नियमानुसार सहयोग लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त विशेष अभियान दिवस के पर्यवेक्षण हेतु समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को भ्रमणशील रहते हुए विशेष अभियान को सफल बनाये जाने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने समस्त नागरिकों से अपील की है कि विशेष अभियान दिवस-22 फरवरी, 2026 को अपने बूथ पर जाकर अपना तथा अपने परिवार के सदस्यों के नाम 6 जनवरी, 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची में अवश्य जाँच लें। यदि किसी पात्र सदस्य का नाम मतदाता सूची में अंकित नही है अथवा ऐसे सदस्य जिनकी आयु 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो, उनका भी फार्म 6 घोषणा पत्र सहित भरवाकर अपने बूथ लेवल अधिकारी को उपलब्ध करा दें अथवा एउक्छएळ मोबाइल एप्लीकेशन या ५ङ्क्षश्१२ऍङ्क्ष५.ल्ल पोर्टल पर ऑनलाइन भी आवेदन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आलेख्य मतदाता सूची में अंकित अपनी प्रविष्टि में किसी भी त्रुटि को सुधारने के लिए फॉर्म 8 भरा जा सकता है।

मधुबनी से 26 फरवरी, 03 एवं 07 मार्च, 2026 को 03 फेरों के लिये किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 04530/04529 सरहिन्द-मधुबनी-सरहिन्द होली विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन सरहिन्द से 25 फरवरी, 02 एवं 06 मार्च, 2026 को तथा मधुबनी से 26 फरवरी, 03 एवं 07 मार्च, 2026 को 03 फेरों के लिये किया जायेगा। 04530 सरहिन्द-मधुबनी होली विशेष गाड़ी 25 फरवरी, 02 एवं 06 मार्च, 2026 को सरहिन्द से 13.00 बजे प्रस्थान कर राजपुरा से 13.25 बजे, अम्बाला कैंट से 14.05 बजे, बराड़ा से 14.40 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 15.14 बजे, सहारनपुर से 16.05 बजे, मुरादाबाद से 19.30 बजे, बरेली से 21.17 बजे, दूसरे दिन लखनऊ से 01.55 बजे, अयोध्या धाम से 05.35 बजे, मनकापुर से 06.37 बजे, बस्ती से 07.42 बजे, गोरखपुर जं0 से 09.25 बजे, छपरा से 12.35 बजे, हाजीपुर से 13.55 बजे, मुजफ्फरपुर से 14.55 बजे, समस्तीपुर से 16.30 बजे, दरभंगा से 17.40 बजे तथा सकरी से 18.22 बजे छूटकर मधुबनी 19.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 04529 मधुबनी-सरहिन्द होली विशेष गाड़ी 26 फरवरी, 03 एवं 07 मार्च, 2026 को को मधुबनी से 23.00 बजे प्रस्थान कर सकरी से 23.20 बजे, दूसरे दिन दरभंगा से 01.20 बजे, समस्तीपुर से 02.50 बजे, मुजफ्फरपुर से 03.55 बजे, हाजीपुर से 05.00 बजे, छपरा से 06.55 बजे, गोरखपुर से 10.05 बजे, बस्ती से 11.12 बजे, मनकापुर से 12.17 बजे, अयोध्या धाम से 13.25 बजे, लखनऊ से 17.10 बजे, बरेली से 21.02 बजे, मुरादाबाद से 22.50 बजे तीसरे दिन सहारनपुर से 02.00 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 02.37 बजे, बराड़ा से 03.12 बजे, अम्बाला कैंट से 04.10 बजे तथा राजपुरा से 04.42 बजे छूटकर सरहिन्द 05.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे।

स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई बिना पंजीकरण चल रहा अस्पताल सील

सफीपुर उन्नाव। क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर अवैध अस्पतालों का जाल फैलता जा रहा है। सलींद रोड स्थित अरुण हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर पर बिना वैध पंजीकरण के संचालन। स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई बिना पंजीकरण चल रहा अस्पताल सील बिना पंजीकरण चल रहा ट्रामा सेंटर जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल स्वास्थ्य विभाग की आंखों में धूल झोंक मरीजों की जान से खिलवाड़ का आरोप सफीपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर अवैध अस्पतालों का जाल फैलता जा रहा है। सलींद रोड स्थित अरुण हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर पर बिना वैध पंजीकरण के संचालन का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि संबंधित अस्पताल का विभागीय अभिलेखों में कोई पंजीकरण दर्ज नहीं है। इसके बावजूद यहां मरीजों का उपचार किया जा रहा है। नियमों की अनदेखी अरुण हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर का संबंधित विभागीय अधिकारियों को पंजीकरण संबंधी प्रकरण की सफीपुर उन्नाव बिना वैध पंजीकरण के संचालित हो रहे अरुण हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर पर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा प्रहार करते हुए उसे तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया। सलींद रोड स्थित इस निजी संस्थान पर आरोप है कि यह बिना किसी सरकारी अनुमति के मरीजों का इलाज और गंभीर ऑपरेशन तक कर रहा था। कार्रवाई उस समय हुई जब एसीएमओ डॉक्टर नरेंद्र सिंह स्वयं टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच में पाया गया कि अस्पताल का सरकारी अभिलेखों में कोई पंजीकरण दर्ज नहीं है।

जापान में आयोजित 18वीं एशियन क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व कर रही पूर्वोत्तर रेलवे की महिला एथलीट कुमारी नंदनी गुप्ता कांस्य पदक के साथ

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, जापान में 21 फरवरी, 2026 को आयोजित 18वीं एशियन क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व कर रही पूर्वोत्तर रेलवे की महिला एथलीट कुमारी नंदनी गुप्ता के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक प्राप्त किया। कुमारी नंदनी गुप्ता पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में मुख्य गाड़ी परिचालन के पद पर कार्यरत है। इसके अतिरिक्त बनारस लोकोमोटिव कारखाना, वाराणसी में 18 से 21 फरवरी, 2026 तक आयोजित 18वीं अखिल भारतीय रेलवे हैंडबॉल (महिला एवं पुरुष) चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे के पुरूष हैंडबॉल टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों के इस उपलब्धि पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा श्री विजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, हैंडबॉल/सचिव श्री कृष्ण चन्द्र सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह तथा नरसा के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 14 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 04610/04609 अमृतसर-मानसी-अमृतसर होली विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन अमृतसर से 25, 28 फरवरी एवं 04 मार्च, 2026 को तथा मानसी से 26 फरवरी, 02 एवं 06 मार्च, 2026 को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04610 अमृतसर-मानसी होली विशेष गाड़ी 25, 28 फरवरी एवं 04 मार्च, 2026 को अमृतसर से 20.10 बजे प्रस्थान कर व्यास जं. से 20.42 बजे, जलंधर सिटी से 21.20 बजे, फगवाड़ा से 21.40 बजे, ढंडारी कलां से 22.40 बजे, सरहिन्द से 23.24 बजे, राजपुरा से 23.52 बजे, दूसरे दिन अम्बाला कैंट से 00.40 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 01.32 बजे, सहारनपुर से 02.40 बजे, मुरादाबाद से 06.10 बजे, बरेली से 07.32 बजे, सीतापुर से 11.25 बजे, गोंडा से 14.20 बजे, गोरखपुर जं0 से 17.20 बजे, सीवान से 19.22 बजे, छपरा से 20.40 बजे, सोनपुर से 22.02 बजे, हाजीपुर से 22.20 बजे, शाहपुर पटोरी से 23.10 बजे, तीसरे दिन बरौनी से 00.40 बजे, बेगूसराय से 01.00 बजे तथा खगड़िया से 01.42 बजे छूटकर मानसी 02.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 04609 मानसी-अमृतसर होली विशेष गाड़ी 26 फरवरी, 02 एवं 06 मार्च, 2026 को मानसी से 04.00 बजे प्रस्थान कर खगड़िया से 04.14 बजे, बेगूसराय से 05.02 बजे, बरौनी से 06.00 बजे, शाहपुर पटोरी से 06.47 बजे, हाजीपुर से 07.20 बजे, सोनपुर से 07.32 बजे, छपरा से 10.55 बजे, सीवान से 11.47 बजे, गोरखपुर से 14.25 बजे, गोंडा से 16.55 बजे, सीतापुर से 20.20 बजे, दूसरे दिन बरेली जं. से 00.25 बजे, मुरादाबाद से 02.15 बजे सहारनपुर से 05.55 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 06.27 बजे, अम्बाला कैंट से 07.45 बजे, राजपुरा से 08.10 बजे, सरहिन्द 08.35 बजे, ढंडारी कलां से 10.00 बजे, फगवाड़ा से 10.32 बजे, जलन्धर सिटी से 11.20 बजे तथा व्यास से 12.02 छूटकर अमृतसर 13.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 14 कोच लगाये जायेंगे।

प्रणव स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज के पावन सानिध्य में भव्य सतचंडी महायज्ञ का हो रहा आयोजन

उन्नाव। बसधना स्थित त्रिलोक धाम आश्रम में इन दिनों भक्ति की बयार बह रही है। प्रणव स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज के पावन सानिध्य में यहां भव्य सतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जो क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए बड़े सौभाग्य का विषय है। यहां इस धार्मिक अनुष्ठान से जुड़ी मुख्य बातें दी गई हैं। वातावरण की शुद्धि और आध्यात्मिक लाभ मान्यताओं के अनुसार, कलियुग में शतचंडी यज्ञ के आयोजन से कई किलोमीटर तक का वातावरण शुद्ध हो जाता है। साथ ही, यज्ञ कुंड के दर्शन और परिक्रमा करने से भक्तों को प्रतिकूल ग्रह-नक्षत्रों के दोषों से मुक्ति मिलती है। देवी भागवत कथा का रसपानः यज्ञ के साथ-साथ यहां श्रीमद् देवी भागवत कथा का भी आयोजन हो रहा है। वृंदावन से पधारे प्रखर विद्वान आचार्य व्यास सुरेशा नंद महाराज अपनी ओजस्वी वाणी से कथा का व्याख्यान कर रहे हैं। यज्ञोपवीत संस्कार इस अनुष्ठान के दौरान ब्राह्मण बालकों का सामूहिक यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार भी विधि-विधान से संपन्न कराया जाएगा। मुख्य आयोजक इस भव्य आयोजन के मुख्य यजमान उन्नाव निवासी कमलेश पाण्डेय जी रहे। विद्वान ब्राह्मणों की देखरेख में सभी अनुष्ठान शास्त्रोक्त पद्धति से पूरे किए जा रहे हैं। विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी के बसधना ग्राम सहित पूरे क्षेत्र में इस आयोजन को लेकर भारी उत्साह है और बड़ी संख्या में लोग पुण्य लाभ कमाने पहुंच रहे।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर ट्रक पलटा चालक गंभीर रूप से घायल

बांगरमऊ उन्नाव। बेहटामुजावर थाना क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर अनार लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में घायल चालक को यहां सी एच सी से अन्यत्र रेफर कर दिया गया। चालक मोहित पुत्र अरविंद निवासी नगला लेखराज थाना सिरसा गंज जनपद फिरोजाबाद अपने ही जनपद के निवासी सहयोगी सुरजीत पुत्र रामौतार के साथ एक ट्रक में अनार लोडकर राजस्थान से बिहार जा रहा था। रास्ते मे बेहटामुजावर थाना क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गांव शिवबख्श खेड़ा के निकट ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में अनार की पेटियां मार्ग पर बिखर गई तथा चालक घायल हो गया। घटना की सूचना पर यूपीडा टीम के सहयोग से घायल को यहां के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहा से उसे अन्यत्र रेफर कर दिया गया। क्रेन के जरिए ट्रक को सीधा कर सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया।

मुजफ्फरपुर से 26 फरवरी, 01 एवं 04 मार्च, 2026 को 03 फेरों के लिए निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 04302/04301 हरिद्वार-मुजफ्फरपुर-हरिद्वार होली विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन हरिद्वार से 25, 28 फरवरी एवं 03 मार्च, 2026 को तथा मुजफ्फरपुर से 26 फरवरी, 01 एवं 04 मार्च, 2026 को 03 फेरों के लिए निम्नवत किया जायेगा। 04302 हरिद्वार-मुजफ्फरपुर होली विशेष गाड़ी 25, 28 फरवरी एवं 03 मार्च, 2026 को हरिद्वार से 11.45 बजे प्रस्थान कर लक्सर से 12.12 बजे, नजीबाबाद से 12.45 बजे, धामपुर से 13.20 बजे, मुरादाबाद से 14.25 बजे, रामपुर से 15.15 बजे, बरेली जं0 से 17.15 बजे, शाहजहाँपुर से 18.55 बजे, सीतापुर जं0 से 21.50 बजे, दूसरे दिन गोण्डा से 00.30 बजे, बस्ती से 01.40 बजे, गोरखपुर से 03.10 बजे, कप्तानगंज से 03.55 बजे, बगहा से 05.32 बजे, नरकटियागंज से 06.20 बजे, बेतिया से 07.07 बजे, सगौली से 07.32 बजे, बापूधाम मोतिहारी से 07.57 बजे तथा चकिया से 09.02 छूटकर मुजफ्फरपुर 12.30 बजे पहुँचेगी। 04301 मुजफ्फरपुर-हरिद्वार होली विशेष गाड़ी 26 फरवरी, 01 एवं 04 मार्च, 2026 को मुजफ्फरपुर से 14.45 बजे प्रस्थान कर चकिया से 15.32 बजे, बापूधाम मोतिहारी से 16.05 बजे, सगौली से 16.27 बजे, बेतिया से 16.47 बजे, नरकटियागंज से 17.35 बजे, बगहा से 18.17 बजे, कप्तानगंज से 21.00 बजे, गोरखपुर से 22.20 बजे, बस्ती से 23.25 बजे, दूसरे दिन गोण्डा से 02.10 बजे, सीतापुर जं0 से 05.55 बजे, शाहजहाँपुर से 08.02 बजे, बरेली जं0 से 09.23 बजे, रामपुर से 10.17 बजे, मुरादाबाद से 11.35 बजे, धामपुर से 12.35 बजे, नजीबाबाद से 13.12 बजे तथा लक्सर से 13.50 बजे छूटकर हरिद्वार 15.30 बजे पहुँचेगी।

ऑन क्लिक डीबीटी के माध्यम से फसल बीमा योजना के 4870 कृषकों को मिली 1.54 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति

उन्नाव। आज कलेक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में मुख्य विकास अधिकारी कृति राज, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गौड़ एवं सदर विधायक पंकज गुप्ता की गरिमामई उपस्थिति में कृषि विभाग द्वारा संचालित फसल बीमा योजना के लाभार्थियों एवं कृषक दुर्घटना बीमा के लाभार्थियों को आन क्लिक डीबीटी के माध्यम से क्षतिपूर्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी उपस्थित अतिथियों अधिकारियों व किसान बंधुओं द्वारा देखा गया। कार्यक्रम के तहत आन क्लिक डीबीटी के माध्यम से फसल बीमा योजना के लाभार्थियों व मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा कल्याण योजना के लाभार्थियों को ऑनलाइन उनके खाते में धनराशि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश जी द्वारा बटन दबाकर प्रदेश के लाभार्थियों को भेजी गई जिसके अंतर्गत वर्ष 2024- 25 के जनपद उन्नाव के फसल बीमा योजना के 4870 कृषकों को 1.54 करोड रुपए की क्षतिपूर्ति ऑनलाइन उनके खाते में पहुंची।

बेटे पर मां से मारपीट का केस दर्ज

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र में एक बेटे के खिलाफ अपनी मां से मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। बेलखरा मजरा रजवाड़ा निवासी गायत्री पत्नी स्व. रामआसरे ने मौरावां थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके बेटे राजेंद्र पुत्र स्व. रामआसरे ने 10 जनवरी 2026 की शाम करीब 7 बजे उन्हें लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा। गायत्री के अनुसार, राजेंद्र आए दिन उन्हें और अपने बच्चों को गालियां देता है और विरोध करने पर मारपीट करता है।

गाड़ी की टक्कर से युवक की मौत, तड़प-तड़पकर दम तोड़ा

लखनऊ,(संवाददाता)। बंथरा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 32 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वह राजमिस्त्री का काम करता था। उसकी पहचान संजय यादव के रूप में हुई। शुक्रवार रात किसी तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी थी, जिससे संजय गंभीर रूप से घायल हो गया था। शनिवार सुबह इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। संजय यादव बंथरा के नेररा गांव के निवासी थे। वह शुक्रवार रात थाना क्षेत्र के रामदासपुर गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। हरौनी से सहिजनपुर रेलवे फाटक जाने वाली डिफेंस रोड पर पावर हाउस के पास सामने से आ रही कार ने उसको टक्कर मारी। इससे दाहिना पैर टूटकर अलग हो गया। संजय सड़क पर तड़पने लगा। इस टक्कर में संजय का दाहिना पैर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने उन्हें तत्काल पीजीआई स्थित ट्रामा-2 सेंटर पहुंचाया। चिकित्सकों को इलाज के दौरान उनका दाहिना पैर घुटने के नीचे से काटना पड़ा। इलाज के बावजूद, संजय ने शनिवार सुबह दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात कार चालक और वाहन का पता लगाने में जुटी हुई है। मृतक संजय यादव के परिवार में उनकी पत्नी ममता यादव, 10 वर्षीय बेटा साजन और 7 वर्षीय बेटी सौम्या हैं।

पांच हजार फलदार वृक्षों ने बदली कैंपस की तस्वीर

विचार से नवाचार

■पक्षियों को भोजन, राहगीरों को छाया और शहर को हरियाली का उपहार

■ ग्वालियर

जब एक सच्चा विचार जमीन पर उतरता है, तो वह सिर्फ पेड़ नहीं उगाता–परिवर्तन की नई कहानी लिखता है। ऐसा ही प्रेरक उदाहरण

है जीवाजी विश्वविद्यालय का, जहां 220 एकड़ में फैले परिसर में 5 हजार से अधिक केवल फलदार और छायादार वृक्ष आज लहलहा रहे हैं। यह हरियाली किसी सरकारी योजना का परिणाम भर नहीं, बल्कि एक अधिकारी की दूरदृष्टि और पर्यावरण के प्रति समर्पण का साकार रूप है।

तत्कालीन रजिस्ट्रार अरुण चौहान, जो वर्तमान में राजा मानसिंह संगीत विश्वविद्यालय में पदस्थ हैं, ने पक्षियों की घटती संख्या और सूखते पेड़ों को देखकर ठोस पहल की। आज परिणाम यह है कि कभी विरल दिखने वाले पक्षी अब सुबह-शाम कलरव करते नजर आते हैं।

ऐसे आया मन में विचार :

अरुण चौहान बताते हैं कि पिछले दस साल की नौकरी में चार साल की नौकरी विश्वविद्यालय में रही। वहां पर पदस्थ होने के बाद मैंने देखा कि कई पुराने पेड़ों में दीमक लग चुकी थी और फलदार वृक्षों की संख्या बेहद कम थी। विशाल परिसर में करीब 20 एकड़ से अधिक भूमि खाली पड़ी हुई थी साथ ही कम होती पक्षी संख्या ने मुझे सोचने पर मजबूर किया। उन्होंने महसूस किया कि यदि यहां बड़े और विविध फलदार वृक्ष लगाए जाएं तो न केवल पक्षियों को भोजन मिलेगा, बल्कि सैर करने आने वालों को भी हरियाली और ताजगी का अनुभव होगा। स्थानांतरण की संभावना को ध्यान में रखते हुए उन्होंने तीन वर्ष आयु के पौधे जहां पर भी खाली जमीन मिली वहां लगाने का निर्णय लिया, ताकि देखभाल कम होने पर भी वे जीवित रह सकें। माली और स्टाफ को साथ लेकर उन्होंने पौधारोपण अभियान शुरू किया–और यह विचार आज हरियाली के घने जंगल में बदल चुका है।

संगीत विश्वविद्यालय में भी हरियाली की पहल

अरुण चौहान ने वर्तमान पदस्थापना स्थल पर भी पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी है। राजामान सिंह संगीत विश्वविद्यालय परिसर में अब तक 50 से अधिक बेल, पीपल, गूलर, आंवला, सीताफल और सैतूत के पौधे लगाए जा चुके हैं। उनका मानना है कि हर पक्षी हर पेड़ पर घोंसला नहीं बनाता, इसलिए विविधता आवश्यक है। यही सोच इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनी।

5 हजार से अधिक वृक्ष बने पर्यावरण प्रहरी

इस अभियान में जैव विविधता का विशेष ध्यान रखा गया। परिसर में शहतूत, जामुन, एप्पल बेर, उदयपुरी बेर, गूलर, अमरूद, सीताफल, कचनार, पीपल, बरगद, नीम, बेलपत्र, आंवला और आम जैसे फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। आज करीब 250 सैतूत, 200 जामुन, 100 एप्पल बेर, 100 उदयपुरी बेर, 150 गूलर, 200 अमरूद, 100 सीताफल, 100 कचनार, 100 पीपल, 100 बरगद सहित कुल मिलाकर 5000 से अधिक पौधे वृक्ष का रूप ले चुके हैं।

हरियाली, पक्षी और सकारात्मक परिवर्तन

आज विश्वविद्यालय परिसर में सुबह की सैर करने वालों को ठंडी छाया, ताजगी भरी हवा और पक्षियों का मधुर कलरव सुनाई देता है। यह पहल साबित करती है कि जब विचार नवाचार बनकर जमीन पर उतरता है, तो वह पर्यावरण संरक्षण का स्थायी मॉडल बन जाता है। यह कहानी सिर्फ पौधारोपण की नहीं, बल्कि संकल्प, संवेदनशीलता और सतत प्रयास की है–जो बताती है कि बदलाव किसी योजना से नहीं, बल्कि एक सकारात्मक सोच से शुरू होता है।

वेतन न मिलने से आक्रोशित निगम के विनियमित कर्मचारी सड़क पर उतरे

■ ग्वालियर

कई महीनों से वेतन न मिलने से परेशान नगर निगम के विनियमित कर्मचारियों का गुस्सा शुक्रवार को खुलकर सामने आ गया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने नगर निगम परिषद का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने अपने विरोध को अनोखे लेकिन प्रभावी तरीके से दर्ज कराते हुए आटे, नमक, चावल और दाल के खाली कनस्तर बजाए, जिससे यह संदेश देने की कोशिश की कि वेतन न मिलने से उनके घरों के चूल्हे बुझने की कगार पर हैं।

प्रदर्शन के दौरान निगम परिसर का माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण हो गया। कर्मचारी हाथों में तख्तियां लेकर परिषद कार्यालय के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी करते हुए तत्काल वेतन भुगतान की मांग करने लगे। कर्मचारियों का कहना था कि वे नियमित रूप से काम कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा, जिससे परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि कई महीनों से वेतन लंबित होने के कारण किराया, बच्चों की पढ़ाई, बिजली-पानी के बिल और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। कुछ कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें उधार लेकर घर चलाना पड़ रहा है, जबकि कुछ के सामने राशन तक जुटाने की समस्या खड़ी हो गई है। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही नगर निगम के सभापति मनोज सिंह तोमर मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। सभापति मनोज सिंह तोमर ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनकी वेतन संबंधी समस्या को गंभीरता से लिया जा रहा है और शीघ्र समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

विचार और विरासत की गाथा 'शतक'

■ ग्वालियर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में निर्मित फिल्म 'शतक' शुक्रवार को देशभर के साथ ग्वालियर के सिनेमाघरों में भी रिलीज हो गई है। फिल्म संघ की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की सौ वर्षीय यात्रा, उसके विचार, संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक योगदान को केंद्र में रखकर बनाई गई है।

फिल्म की शुरुआत संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन प्रसंग से होती है। इसके माध्यम से संगठन की वैचारिक पृष्ठभूमि और उद्देश्य को रेखांकित किया गया है। इसके बाद स्वतंत्रता आंदोलन, आपातकालीन दौर, सेवा कार्यों और सामाजिक समरसता अभियानों जैसे विभिन्न कालखंडों को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत किया गया है।

वास्तविक घटनाओं पर आधारित इस फिल्म के कई संवाद और कश्मीर समस्या, गोवा मुक्ति आंदोलन, चीन और पाकिस्तान युद्ध के दौरान स्वयंसेवकों की भूमिका रोमांचित कर देती है। फिल्म का प्रवाह सीधा और कालक्रमानुसार है, जिससे दर्शकों को सौ वर्षों की यात्रा समझने में सहजता होती है।

अभिनय और संगीत

मुख्य पात्रों का अभिनय संतुलित और गंभीर है। ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के चित्रण में गरिमा बनाए रखने का प्रयास दिखाई देता है। पृष्ठभूमि संगीत प्रेरणादायक है, जो कई दृश्यों में भावनात्मक प्रभाव उत्पन्न करता है।

फिल्म की विशेषता

'ना रुके, ना थके, ना झुके' टैगलाइन के साथ फिल्म संघ की निरंतरता और संगठनात्मक संकल्प को दर्शाती है। दर्शकों के लिए यह प्रेरणादायक है, वहीं इतिहास और समसामयिक विषयों में रुचि रखने वाले दर्शकों को संगठन की यात्रा का संक्षिप्त दृश्य दस्तावेज देखने को मिलेगा। 'शतक' मनोरंजन प्रधान फिल्म न होकर वैचारिक प्रस्तुति अधिक है। यह संघ के सौ वर्षों की कार्य यात्रा को एक सिनेमाई दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत करती है।

इनका कहना है

फिल्म ऐतिहासिक है। कई रहस्यों को परदे पर बखूबी प्रदर्शित किया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्रेष्ठ कार्यों और स्वयंसेवकों के त्याग को देखकर मन रोमांचित और आंखें नम हो गईं। इस फिल्म को सभी लोगों को खासकर युवाओं और बच्चों को देखना चाहिए, ताकि उन्हें इससे प्रेरणा मिल सके।

प्रो.आलोक शर्मा
डायरेक्टर, आईटीएम

मुझे संघ के बारे में पहले से बहुत कुछ पता था, लेकिन गोवा मुक्ति आंदोलन और पंजाब में शरणार्थियों के सेवा में स्वयंसेवकों की भूमिका के बारे में नहीं पता था। इस फिल्म ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इतिहास के कई अनछुए पहलुओं के बारे में पहली बार पता चला।

ब्रज किशोर उपाध्याय, मुरैना

संघ के बारे में जो हमें पुस्तकों में पढ़ने को नहीं मिला, वह हमें इस फिल्म में जीवंत देखने को मिला। इस प्रेरणादायी फिल्म को सभी लोगों को देखना चाहिए।

संदीप शर्मा

यह फिल्म राष्ट्र और समाज के प्रति कर्तव्य निर्वहन के लिए प्रेरित करती है। व्यक्ति से देश का निर्माण कैसे होता है इसे बेहतर तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

गौरव उदैनिया

इस फिल्म ने मुझे बहुत प्रभावित किया। युवाओं खासकर बच्चों को यह फिल्म जरूर देखना चाहिए।

प्रियंका कुशवाह

यह फिल्म देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत है। मुझे लगता है राष्ट्र प्रेम की प्रेरणा देती यह फिल्म सभी लोगों को पसंद आएगी।

दीपक सोनी

सत्य घटना पर आधारित इस फिल्म ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में भ्रम और गलतफहमियां दूर की हैं।

पंकज पाठक

निष्ठ और ईमानदारी से बूथ पर पार्टी को मजबूती दें कार्यकर्ता

■क्षेत्रीय संगठन महमंत्री अजय जामवाल ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने शुक्रवार को ग्वालियर जिला ग्रामीण और महानगर के पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर पार्टी को सशक्त बनाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा हर कार्यकर्ता का कर्तव्य है कि वह पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करें और संगठन को मजबूती प्रदान करें। उन्होंने कहा कि पार्टी की ताकत बूथ स्तर पर निहित है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुंचाने के प्रयासों को और तेज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प तभी साकार होगा, जब कार्यकर्ता अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच बनाकर कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के प्रयास तेज

विपक्ष के दुष्प्रचार का तथ्यों के साथ जवाब दें

श्री जामवाल ने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित दल है और कार्यकर्ताओं का निरंतर प्रशिक्षण संगठन की प्राथमिकता है। प्रशिक्षण कार्यशालाएं कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, स्पष्ट दिशा और कार्यकुशलता प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि 7 अप्रैल से 14 अप्रैल तक मंडल स्तर तथा 15 अप्रैल से 20 मई तक जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। हमें अपने आचरण और व्यवहार से जनता का विश्वास जीतना है। अपनी कमियों को दूर करते हुए सरकार की योजनाओं की सही जानकारी आमजन तक पहुंचानी होगी। कांग्रेस सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक तथ्यों को प्रचारित कर गलत नैरेटिव बनाने का प्रयास कर रही है। कार्यकर्ताओं को चाहिए कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से तथ्यों के साथ विपक्ष के आरोपों का जवाब दें और जनता तक सही जानकारी पहुंचाएं। बैठक में संभागीय प्रभारी निशांत खरे, महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया, ग्रामीण अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, पूर्व मंत्री इमरती देवी सहित जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

भारतीय खेल परंपरा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

ग्वालियर। लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान में खेल सृष्टि में भारतीय दृष्टि-भारतीय खेल परंपरा दर्शन, विज्ञान एवं विकास विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एलएनआईपीई एवं क्रीड़ा-भारती के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। जिसका शुभारम्भ शुक्रवार को संस्थान की कुलपति प्रो. कल्पना शर्मा एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रसाद महादकर की मौजूदगी में हुआ। कुलपति प्रो. शर्मा ने अपने संबोधन में खेल शिक्षा, खेल विज्ञान तथा आधुनिक तकनीक को भारतीय खेल व्यवस्था में सशक्त रूप से समाहित करने पर बल दिया। इस अवसर पर एलएनआईपीई एवं हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही संस्थान के इतिहास पर आधारित कॉफी टेबल पुस्तक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ. वाणी भूषणम ने प्राचीन ज्ञान और आधुनिक प्रदर्शन विषय पर व्याख्यान दिया। पैनल चर्चा में प्रो. विशाल बन्ने ने खेल संस्कृति के संवर्धन में नीति और अधिनियम की भूमिका पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में कुलसचिव डॉ. यतेंद्र कुमार सिंह, आयोजक डॉ. नींबू आर. कृष्णा, डॉ. नरेंद्र यादव, डॉ. पायल दास सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जी इन्क्यूब और प्रेस्टीज संस्थान के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

ग्वालियर। स्मार्ट सिटी इन्क्यूबेशन सेंटर जी इन्क्यूब एवं प्रेस्टीज प्रबंधन एवं शोध संस्थान के मध्य नवाचार एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। संस्थान के निदेशक डॉ. निर्मल्या बंद्योपाध्याय ने कहा कि यह एमओयू विद्यार्थियों को नवाचार, इन्क्यूबेशन और उद्योग से जुड़ने के बेहतर अवसर प्रदान करेगा, जिससे वे रोजगार लेने वाले ही नहीं, बल्कि रोजगार सृजक बन सकेंगे। गौरव शाक्य ने बताया कि केंद्र मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और संसाधनों के माध्यम से युवा उद्यमियों को सशक्त बना रहा है। कार्यक्रम में प्रांजल चतुर्वेदी, मेघा उपाध्याय और श्रुति अग्रवाल उपस्थित रहीं। वहीं संस्थान की ओर से डॉ. तारिका सिंह सिकारवार, डॉ. निधि जैन एवं विख्यात पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा में 22 को गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी परामर्श

ग्वालियर। आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में रविवार 22 फरवरी को प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी ओपीडी आयोजित होगी। इस दौरान सर गंगाराम हॉस्पिटल के वरिष्ठ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. शिवम खरे परामर्श देंगे। पेट, आंत, लीवर, फैटी लिवर, हेपेटाइटिस, लिवर सिरोसिस, पीलिया, उल्टी, पेट दर्द व अन्य पाचन संबंधी समस्याओं से ग्रसित मरीज लाभ ले सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार शुरुआती पहचान से गंभीर जटिलताओं से बचाव संभव है। सीमित समय को देखते हुए पूर्व अपॉइंटमेंट हेतु 07512454600 पर संपर्क करें।

सिरफिरे का आतंक दरवाजे पर खड़ी थार में की तोड़फोड़

■ ग्वालियर

एक बार फिर सिरफिरों ने दरवाजों के बाहर खड़ी थार चार पहिया वाहनों को निशाना बनाते हुए तोड़फोड़ कर दी। सुबह होने पर लोगों को जब घटना का पता चला तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सीसीटीवी के माध्यम से सिरफिरों की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। कम्पू थाना क्षेत्र स्थित चना कोठार, आमखो और किरार कॉलोनी में सिरफिरों ने घर के बाहर खड़ी नई थार चार पहिया वाहनों को निशाना बनाकर तोड़फोड़ कर दी। सिरफिरों ने देर रात थारों पर पत्थर बरसाए। पत्थर मारने से थारों के शीशे टूट गए। उक्त घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सिरफिरों की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए है। इस संबंध में कम्पू थाना प्रभारी अमरसिंह सिकरवार का कहना है कि थार गाड़ियों की तोड़फोड़ किसने की है उनकी पहचान के लिए सीसीटीवी चेक किए जा रहे हैं।

मानवाधिकारों के संरक्षण पर जोर, निर्माणाधीन अस्पताल भवन शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

ग्वालियर। मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने डबरा प्रवास के दौरान शासकीय अस्पताल, उप जेल एवं अपना घर आश्रम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत जानी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी संस्था में मानवाधिकारों से जुड़ी लापरवाही न हो और प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों का पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। डॉ. सिंह ने डबरा में निर्माणाधीन अस्पताल भवन की प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने अस्पताल में दवाइयों की उपलब्धता, उपचार व्यवस्था, महिला एवं शिशु वार्ड की स्थिति तथा साफ-सफाई का निरीक्षण किया।

विद्यार्थियों को उत्तम चरित्र निर्माण की प्रेरणा दी

ग्वालियर। मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित पार्वती बाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय में वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं हुईं जिसमें निबंध, चित्रकला, रंगोली, मेहंदी, सलाद सज्जा, तात्कालिक भाषण, एकल गायन एवं नृत्य, सामूहिक नृत्य शामिल रहा। भूतपूर्व छात्र सम्मेलन के अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं भूतपूर्व छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मध्य भारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र बांदिल ने विद्यार्थियों को उत्तम चरित्र निर्माण की प्रेरणा दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. इंदु बोहरा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुमन गुर्जर, कर्नल डीएस वर्मा, लेफ्टिनेंट गायत्री पांडे, प्राचार्य डॉ. सुनील पाठक, डॉ. स्वाति पेंडसे एवं वृंदावन लुड़ेले उपस्थित रहें। संचालन त्रिष्टुप चंसौलिया एवं आभार डॉ. शैलेंद्र सिंह सिकरवार ने व्यक्त किया। इस मौके पर वार्षिक स्नेह सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कस्तूरबा गांधी की स्मृति में सेवा और स्वावलंबन का उत्सव आज से

ग्वालियर। मां कस्तूरबा गांधी की पुण्यतिथि पर सेवा और स्वावलंबन का उत्सव शनिवार से मनाया जाएगा। पुण्यतिथि के अवसर पर इस वर्ष में सेवा, स्वावलंबन और महिला सशक्तिकरण का प्रेरक संगम देखने को मिलेगा। इसी क्रम में कस्तूरबा गांधी विश्रांति भवन न्यास कम्पू द्वारा 22 और 23 फरवरी को दो दिवसीय मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों ने शुक्रवार को स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। कार्यक्रम का शुभारंभ 22 फरवरी को सुबह 10 बजे होगा। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, मुख्य वक्ता केआरजी महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. साधना श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया होंगे। अध्यक्षता पूनम देवनानी करेंगी। मेला परिसर में महिला स्व-सहायता समूहों, लघु उद्योग इकाइयों एवं सामाजिक संगठनों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहेंगे। हस्तनिर्मित व स्वदेशी उत्पादों के माध्यम से स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहन दिया जाएगा। समापन समारोह 23 फरवरी सोमवार को दोपहर 12 बजे होगा। इस अवसर पर पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, मप्र रेडक्रॉस के जनरल सेक्रेटरी रामेन्द्र सिंह एवं लघु उद्योग भारती महिला इकाई की अध्यक्ष आभा अग्रवाल उपस्थित रहेंगी।

टाइम ग्वालियर ने एमबीए की प्रवेश परीक्षा में किया शानदार प्रदर्शन

ग्वालियर। एमबीए की प्रवेश परीक्षा में टाइम ग्वालियर ने शानदार परिणाम देकर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता सिद्ध की है। इस वर्ष संस्थान के अनेक छात्रों ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। जिसमें संस्थान के सेंटर डायरेक्टर जेपी गुप्ता सर ने क्यूए में 99.99 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि यहां की तैयारी केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि परिणाम-आधारित और व्यावहारिक है। इस परीक्षा में सिद्धांत जैन ने 99.79 प्रतिशत, रिशिका शुक्ला 98.84, मेहुल गोयल 97.12, विनायक शर्मा 97.02, कौसर इकरा 95.49, एंजेला डेनिस 94.76, प्रेरणा गोयल 94.32, दिव्यांश जैन 93.75, आशुतोष शर्मा 92.58, आदित्य तिवारी 91.08, पार्थ गोयल 89.04, जिनेंद्र धाकड़ 88.90, मुस्कान भट्ट 86.47, राम गुप्ता 86.33, अंशिका सोनी 85.69 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

सफलता की दिशा तय करते हैं प्रयास

ग्वालियर। सभी टीमें चैंपियन नहीं बन सकतीं, लेकिन जीत के लिए पूरे मन से प्रयास करना बेहद जरूरी है। प्रयास ही सफलता की दिशा तय करता है। यह बात जयारोग्य अस्पताल के सहायक अधीक्षक डॉ. एमएल माहौर ने कही। वे शुक्रवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के मैदान पर मानव रचना शिक्षा समिति के मास्टर ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। स्वागत भाषण राजेश गुर्जर ने दिया। टूर्नामेंट संयोजक बसंत सिंह राठौर ने बताया कि कांटे की टक्कर के पहले मैच में सुपर स्टार ठाठीपुर ने चैलेंजर हजीरा को हराया। दूसरे मैच में राइजिंग स्टार हजीरा ने जीत दर्ज की। तीसरे मुकाबले में स्टाइकर डीडी नगर ने पावर हिटर मुरार को पराजित कर जीत अपने नाम की।

डॉ. वंदना सेन को नेपाल में मिला मातृभाषा रत्न सम्मान

ग्वालियर। नेपाल की सुविख्यात साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउण्डेशन नेपाल की ओर से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर ग्वालियर की साहित्यकार और लेखक डॉ. वंदना सेन को मातृभाषा रत्न की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। फाउंडेशन के अध्यक्ष आनंद गिरि मायालु ने डॉ. वंदना सेन के साहित्यिक जीवन के बारे में कहा कि उन्होंने साहित्य के क्षेत्र उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनकी साहित्य सेवा को ध्यान में रखते हुए उन्हें मातृभाषा रत्न की उपाधि प्रदान की गई है। वहीं डॉ. वंदना सेन ने शब्द प्रतिभा बहु क्षेत्रीय सम्मान फाउण्डेशन नेपाल द्वारा यह सम्मान दिए जाने पर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि हम सभी को मातृभाषा का सम्मान करना ही चाहिए।

वैज्ञानिक नवाचार हैं उपनिषद और गीता

ग्वालियर। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार महात्मा गांधी कॉलेज ऑफ़ लॉ में भारतीय ज्ञान परंपरा -वैज्ञानिक आविष्कार एवं नवाचार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. जेएन गौतम, छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं विभाग अध्यक्ष पुस्तकालय विभाग जीवाजी विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों को संदर्भित करते हुए वर्तमान परिपेक्ष्य में तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। साथ ही यशपाल तोमर द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमद् भागवत गीता व उपनिषद के श्लोकों की वर्तमान वैज्ञानिक नवाचार में व्याख्या की गई एवं चंद्र प्रताप सिकरवार निदेशक महात्मा गांधी कॉलेज ऑफ़ लॉ द्वारा उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा दिए गए उद्बोधन को अपने आचरण में सम्मिलित करने के लिए प्रेरित किया गया।

संपादकीय

रोबोटिक विवाद

नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमता सम्मेलन में प्रस्तुत एक रोबोटिक मॉडल ने भारत की तकनीकी विश्वसनीयता, संस्थागत जवाबदेही और सरकारी सत्यापन प्रणाली पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मंच पर प्रदर्शित रोबोट को भारत की स्वदेशी तकनीकी क्षमता का प्रतीक बताते हुए इसे देश के नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय आई.टी. मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी इस तकनीक की सराहना करते हुए इसे भारत की बढ़ती तकनीकी शक्ति का उदाहरण बताया। उस समय यह संदेश दिया गया कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता और नवप्रवर्तक भी बन चुका है। लेकिन जैसे-जैसे इस मॉडल के तकनीकी पहलुओं का विश्लेषण सामने आया, कई विशेषज्ञों ने यह संकेत दिया कि रोबोट पूरी तरह स्वायत्त नहीं था और संभवतरू बाहरी नियंत्रण या पूर्व निर्धारित प्रोग्रामिंग पर आधारित था। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक हो गया कि क्या इस तकनीक को राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने से पहले पर्याप्त तकनीकी सत्यापन किया गया था या नहीं? भारत में किसी भी नई तकनीक, मशीन या मॉडल को कानूनी रूप से पेटेंट देने का अधिकार केवल इंडियन पेटेंट ऑफिस के पास होता है, जो डिपार्टमैंट ऑफ प्रमोशन आफ इंडस्ट्री एंड इंटर्नल ट्रेड के अधीन कार्य करता है। जब तक किसी मॉडल को पेटेंट नहीं मिलता, तब तक उसे पूर्ण रूप से प्रमाणित स्वदेशी नवाचार नहीं माना जाता। यदि इस रोबोटिक मॉडल को पेटेंट नहीं मिला था या उसका आवेदन लंबित था, तो इसे राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करना तकनीकी प्रक्रिया की दृष्टि से समयपूर्व माना जा सकता है। विश्वविद्यालय स्तर पर भी जब कोई छात्र या शोधकर्त्ता नया मॉडल विकसित करता है, तो सबसे पहले विश्वविद्यालय का रिसर्च एंड डिवैल्पमैंट या इंटेलैक्चुअल प्रॉपर्टी सैल उसकी जांच करता है। यदि मॉडल सभी मानकों पर खरा उतरता है, तभी उसे पेटेंट प्रदान किया जाता है। इस स्थिति में यह स्पष्ट होना आवश्यक है कि संबंधित मॉडल को पेटेंट या सरकारी तकनीकी मान्यता प्राप्त थी या नहीं। यदि किसी तकनीक को राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो सामान्यतरू मिनिस्ट्री ऑफ इलैक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टैक्नोलॉजी तथा साइंस एंड टैक्नोलॉजी विभाग जैसे संस्थान उसकी तकनीकी प्रामाणिकता की जांच करते हैं। यदि यह जांच पूरी तरह नहीं हुई और केवल संस्थान के दावे के आधार पर उसे राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर दिया गया, तो यह संस्थागत समन्वय की कमी को दशार्ता है। इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय मंच केवल तकनीकी प्रदर्शन के लिए नहीं होते, बल्कि वे देश की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे मंचों पर प्रस्तुत हर तकनीक केवल एक मॉडल नहीं होती, बल्कि वह देश की वैज्ञानिक क्षमता का प्रतीक बन जाती है। यदि उसमें किसी प्रकार की विसंगति सामने आती है, तो उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर देश की छवि पर पड़ता है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब भारतीय वैज्ञानिक और इंजीनियर विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनियों और अनुसंधान संस्थानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमता, रोबोटिक्स और मशीन लघ्नग के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। लेकिन तकनीकी नेतृत्व केवल नवाचार से नहीं, बल्कि उसकी प्रामाणिकता और पारदर्शिता से भी स्थापित होता है ।यदि यह केवल विश्वविद्यालय स्तर की प्रस्तुति थी, तो इसे उसी स्तर तक सीमित रखना चाहिए था। और यदि इसे राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो उसकी पूर्ण तकनीकी जांच सुनिश्चित करना संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी थी। भारत के पास प्रतिभा, संसाधन और क्षमता की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हर उपलब्धि को प्रामाणिकता और ईमानदारी के साथ प्रस्तुत किया जाए। यही दृष्टिकोण भारत को न केवल तकनीकी रूप से मजबूत बनाएगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक विश्वसनीय और सम्मानित तकनीकी राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

द्रमुक-कांग्रेस में अनबन का नियंत्रण कांग्रेस हाईकमान ने लिया

> सांसद मणिकम टैगोर और रणनीतिकार प्रवीण चक्रवर्ती जैसे कांग्रेस नेताओं के मुखर बयानों से यह मुद्दा और बढ़ गया है, जिन्होंने एक्टर-पॉलिटिशियन विजय की पार्टी, तमिलगा वेत्री कझगम के साथ जुड़ने की संभावना सहित दूसरे पॉलिटिकल अलायंस के बारे में सार्वजनिक रूप से इशारा किया है। लेकिन हाल ही में, सीनियर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने कनिमोझी के जरिए द्रमुक नेतृत्व को साफ-साफ बता दिया है कि उनकी पार्टी ऐसी किसी भी रणनीति पर जोर नहीं देगी जिससे गठबंधन में तनाव पैदा हो, जिसमें पावर-शेयरिंग पर बातचीत भी शामिल है। कहा जा रहा है कि उन्होंने चुनाव से पहले कोई दूसरा गठबंधन चुनने या विजय की तमिलगा वेत्री कझगम (टी.वी.के.) के साथ जाने के किसी भी ऑप्शन से मना कर दिया है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि द्रमुक ने एक इनडायरैक्ट अल्टीमेटम दिया है कि कांग्रेस गठबंधन में रह सकती है लेकिन सरकार में हिस्सेदारी के बिना और अगर इससे पावर-शेयरिंग पर कोई जोर पड़ता है, तो वह छोडने के लिए आजाद हैं।

नोरा चोपड़ा

तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कझगम-कांग्रेस गठबंधन के अंदर चल रही अनबन पर कांग्रेस हाईकमान ने पूरी तरह से सीधा कंट्रोल कर लिया है। हालांकि 22 फरवरी से फॉर्मल बातचीत शुरू होने वाली है लेकिन कांग्रेस नेताओं के सार्वजनिक बयानों से पहले ही इस

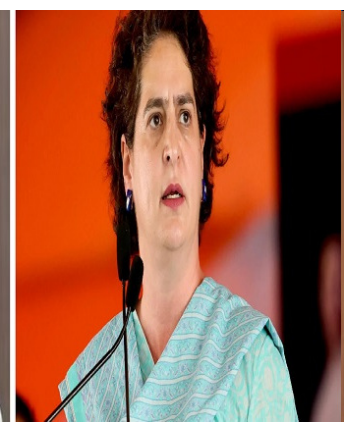

बात पर बहस शुरू हो गई है कि यह अनबन असली है या सोची-समझी मोलभाव की रणनीति। इसकी शुरूआती चिंगारी कांग्रेस की सीटों के बड़े हिस्से और गठबंधन के सत्ता में लौटने पर शासन में ज्यादा तय भूमिका की मांग लगती है। सांसद मणिकम टैगोर और रणनीतिकार प्रवीण चक्रवर्ती जैसे कांग्रेस नेताओं के मुखर बयानों से यह मुद्दा और बढ़ गया है, जिन्होंने एक्टर-पॉलिटिशियन विजय की पार्टी, तमिलगा वेत्री कझगम के साथ जुडने की संभावना सहित दूसरे पॉलिटिकल अलायंस के बारे में सार्वजनिक रूप से इशारा किया है। लेकिन हाल ही में, सीनियर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने कनिमोझी के जरिए द्रमुक नेतृत्व को साफ-साफ बता दिया है कि उनकी पार्टी ऐसी किसी भी रणनीति पर जोर नहीं देगी जिससे गठबंधन में तनाव पैदा हो, जिसमें पावर-शेयरिंग पर बातचीत भी शामिल है। कहा जा रहा है कि उन्होंने चुनाव से पहले कोई दूसरा गठबंधन चुनने या विजय की तमिलगा वेत्री कझगम (टी.वी.के.) के साथ जाने के किसी भी ऑप्शन से मना कर दिया है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि द्रमुक ने एक इनडायरैक्ट अल्टीमेटम दिया है कि कांग्रेस गठबंधन में रह सकती है लेकिन सरकार में हिस्सेदारी के बिना और अगर इससे पावर-शेयरिंग पर कोई जोर पड़ता है, तो वह छोडने के लिए आजाद हैं। ऐसे भी सुझाव हैं कि द्रमुक ने गठबंधन को आसानी से जारी रखने के लिए प्रवीण चक्रवर्ती और मणिकम टैगोर जैसे नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बयानबाजी के बावजूद, दोनों पार्टियां भाजपा विरोधी एकता को एक जोडने वाली ताकत के तौर पर जोर दे रही हैं। कर्नाटक में नहीं थम रही सत्ता के लिए खींचतान रू कर्नाटक में सत्ताधारी कांग्रेस के अंदर सत्ता की खींचतान थमने का नाम नहीं ले रही, ऐसे में उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि लीडरशिप में बदलाव का फैसला पहले ही हो चुका है और चीफ मिनिस्टर सिद्धारमैया सही समय पर इसकी घोषणा करेंगे। शिवकुमार ने सोशल वैल्फेयर मिनिस्टर डा. एच.सी. महादेवप्पा के बयान पर प्रतिक्रिया दी थी, जिन्होंने कहा था कि कर्नाटक में पावर-शेयरिंग पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में नेतृत्व मजबूत हैं और इसमें बदलाव की संभावना से इंकार किया। हालांकि, शिवकुमार ने कहा कि वह महादेवप्पा या दूसरे नेताओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे। इस बीच, चीफ मिनिस्टर सिद्धारमैया के वफादार कहे जाने वाले 22 कांग्रेसी विधायक अपने खर्चे पर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के प्राइवेट टूर पर जाने के लिए एक साथ आए हैं, जबकि विधायकों का दूसरा बैच भी उनके साथ जाने के लिए तैयार है। इस कदम को बड़े पैमाने पर सिद्धारमैया की यह संकेत देने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है कि उनके पास कांग्रेस विधायकों के बहुमत का सपोर्ट है। शिवकुमार ह्यटॉप पोस्टह्व के लिए फोकस में बने रहना चाहते हैं, जबकि कांग्रेस हाईकमान ने केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में आने वाले असैंबली इलैक्शन खत्म होने तक वेट एंड वॉच अप्रोच का संकेत दिया है। प्रियंका गांधी का असम दौरा रू असम असैंबली इलैक्शन से पहले, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुवाहाटी में भाजपा की अगुवाई वाली राज्य सरकार के खिलाफ 20 प्वॉइंट चार्जशीट जारी की है और प्रशासन पर करप्शन में लिप्त होने और अल्पसंख्यकों में डर पैदा करने के लिए अपनी मशीनरी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उनके दौरे का मुख्य कारण 2026 के असैंबली इलैक्शन की तैयारियों में तेजी लाना है, खासकर उम्मीदवारों के चयन से जुड़ी प्रक्रिया और आने वाले असैंबली इलैक्शन के लिए टिकट चाहने वालों से बातचीत करना। हालांकि, उनका दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब असम कांग्रेस गंभीर अंदरूनी मसलों से जूझ रही है। उनके आने से कुछ दिन पहले ही, ए.पी.सी.सी. के पूर्व चीफ भूपेन कुमार बोरा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर गौरव गोगोई पर मनमानी करने का आरोप लगाया और कहा कि निजी महत्वाकांक्षाएं संभावित गठबंधनों को नुकसान पहुंचा रही हैं। ऐसी भी खबरें थीं कि बोरा भाजपा में शामिल हो सकते हैं। प्रियंका प्रार्थना के लिए कामाख्या मंदिर भी गईं और एक नागा साधु से मिलीं, जिन्हें देखने वालों ने अघोरी बाबा बताया, जिन्होंने एक फोटो ड्डषखचवाने की रिक्वेस्ट की। एक वीडियो, जो अब वायरल हो रहा है, उसमें बाबा गांधी के सिर पर हाथ रखते हुए और फिर कहते हुए दिख रहे हैं, ह्यह्यहमारी बेटी प्रधानमंत्री बनेगी ह्लह्ल 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने पार्टी संगठन को मजबूत करने की रणनीति के तहत अपनी चुनावी टीम में बड़े बदलावों का ऐलान किया है। एक खास कदम में, उनके भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को एक बार फिर एक अहम भूमिका दी गई है, जिसमें वह दिल्ली, गुजरात, छत्तीसगढ़ और केरल जैसे 4 राज्यों में पार्टी की ग्रोथ का ध्यान रखेंगे। वहीं, नौशाद अली को उत्तर प्रदेश के 4 सबसे अहम राजनीतिक रूप से अहम डिवीजन जैसे कानपुर, लखनऊ,आगरा और मेरठ का चीफ इंचार्ज बनाया गया है। इन इलाकों को राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने में अहम माना जाता है। नौशाद अली को इन इलाकों में कैडर में जोश भरने और दलित-मुस्लिम गठबंधन को फिर से बनाने का काम सौंपा गया है। बसपा दलितों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच अपने पारंपरिक समर्थन आधार को मजबूत करने के साथ-साथ दूसरे सामाजिक ग्रुप तक अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

आखिरकार, एकता लाने की कोशिश कर रहा है ट्रांस अटलांटिक अलायंस

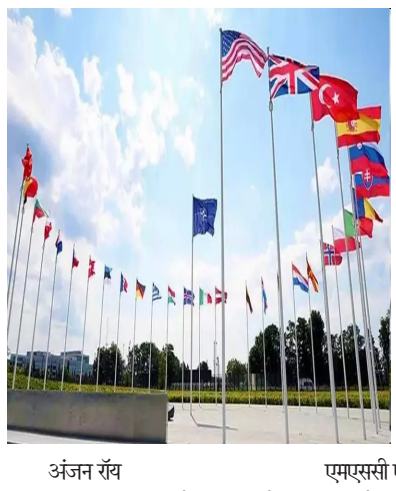

> हालांकि, पिछले हफ्ते एक और भी जरूरी और निश्चित रूप से बहुत प्रतिष्ठित मीटिंग हुई। यह म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी) है जो 13 से 15 फरवरी को इसी नाम के जर्मन शहर में हुई। सालाना म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी),जो दुनिया भर में सबसे प्रभावशाली और हाई डेसिबल सिक्योरिटी सर्किट प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, ने सहयोगी अमेरिका और यूरोप के बीच एक तरह का मेल-मिलाप देखा है। अगर पिछले साल का एमएससी एक तरह का तबाहकुन और बुरी तरह से हुआ इवेंट था, तो इस साल के एमएससी को ज्यादा दोस्ताना मौके के रूप में दिखाने की कोशिश की गई। पिछले साल की कॉन्फ्रेंस में, अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने यूरोपीय श्रोताओं को अपनी रक्षा जरूरतों का ध्यान रखने में पूरी तरह विफल होने की कुछ स्पष्ट याद दिलाकर हैरान कर दिया था। वैंस ने यूरोप को यह भी याद दिलाया था कि वह अपनी सोच और नीति से सभ्यतागत भ्रम के करीब है। वैंस के उस भाषण के बाद, एक साल तक यूरोपीय और अमेरिकी, जो द्वितीय विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से सबसे करीबी साथी थे, अलग-अलग हो गए थे। अमेरिका ने धमकी दी थी कि अमेरिकन अब यूरोप की रक्षा का खर्च नहीं उठाएंगे। इस साल की कॉन्फ्रेंस में, अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, मार्को रुबियो ने ज्यादा सुलह वाली बात कही, और कहा कि अमेरिका और यूरोप एक साथ हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अमेरिका यूरोप का बच्चा है। पिछले साल जेडीवैंस की कड़ी फटकार के बाद रुबियो का भाषण यूरोपीय लोगों के लिए सुकून देने वाली थी।

अंजन रॉय

वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम का दावोस में दुनिया के नेताओं, राजनीतिक और कॉर्पोरेट, दोनों की मुलाकात, एक जाना-माना इवेंट बन गया। हालांकि, पिछले हफ्ते एक और भी जरूरी और निश्चित रूप से बहुत प्रतिष्ठित मीटिंग हुई। यह म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी) है जो 13 से 15 फरवरी को इसी नाम के जर्मन शहर में हुई। सालाना म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी),जो दुनिया भर में सबसे प्रभावशाली और हाई डेसिबल सिक्योरिटी सर्किट प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, ने सहयोगी अमेरिका और यूरोप के बीच एक तरह का मेल-मिलाप देखा है। अगर पिछले साल का एमएससी एक तरह का तबाहकुन और बुरी तरह से हुआ इवेंट था, तो इस साल के एमएससी को ज्यादा दोस्ताना मौके के रूप में दिखाने की कोशिश की गई। पिछले साल की कॉन्फ्रेंस में, अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने यूरोपीय श्रोताओं को अपनी रक्षा जरूरतों का ध्यान रखने में पूरी तरह विफल होने की कुछ स्पष्ट याद दिलाकर हैरान कर दिया था। वैंस ने यूरोप को यह भी याद दिलाया था कि वह अपनी सोच और नीति से सभ्यतागत भ्रम के करीब है। वैंस के उस भाषण के बाद, एक साल तक यूरोपीय और अमेरिकी, जो द्वितीय विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से सबसे करीबी साथी थे, अलग-अलग हो गए थे। अमेरिका ने धमकी दी थी कि अमेरिकन अब यूरोप की रक्षा का खर्च नहीं उठाएंगे। इस साल की कॉन्फ्रेंस में, अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, मार्को रुबियो ने ज्यादा सुलह वाली बात कही, और कहा कि अमेरिका और यूरोप एक साथ हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अमेरिका यूरोप का बच्चा है। पिछले साल जेडीवैंस की कड़ी फटकार के बाद रुबियो का भाषण यूरोपीय लोगों के लिए सुकून देने वाली थी। शायद वैलेंटाइन डे पर, मार्को रुबियो उस महादेश को अलग-थलग नहीं कर सकते थे जिसे कभी श्मदर कंट्रीश कहा जाता था। लेकिन रुबियो ने यह भी ध्यान से बताया कि यूरोप को अपने जीवनमूल्य कृसभ्यतागत सम्पर्ककृ को रीसेट करना चाहिए, जिसने दोनों को एक साथ जोड़ा था। रुबियो ने आगे आकर कहा कि अमेरिका यूरोप का बच्चा है। आखिर, यूरोप के बिना अमेरिका क्या है कृ इसका 250 साल से ज्यादा का इतिहास नहीं है, इसके पूर्व का कोई लेखन नहीं है, न ही इसके पास यूरोपीय वास्तुकला या संगीत है या यहां तक कि युद्धों का इतिहास भी। ये अमेरिकी, ट्रंप, वैंस, रुबियो और उनके जैसे लोग यूरोपीय विरासत को भी अपना मानते हैं, और वे उस विरासत को बचाना चाहते हैं, यह देखते हुए कि यूरोप की मुख्यभूमि में बड़े पैमाने पर मुस्लिम हमले के कारण यह खतरे में था। किसी भी आईवी लीग यूनिवर्सिटी के इतिहास के पाठ्यक्रम पर गौर करें तो आप पाएंगे कि यूरोपीय राजनीतिक इतिहास, यूरोपीय सामाजिक विकास और यहां तक कि यूरोपीय साम्राज्य भी वे अध्ययन हैं जो वे बहुत बारीकी से देते हैं। येल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डोनाल्ड कगन, जो ग्रीक इतिहास के जाने-माने जानकार हैं, गर्व से कहते हैं कि यूरोप की लोकतांत्रिक परंपरा सीधेग्रीस से आई है। रोमन वास्तुकला पर व्याख्यान श्रृंखला में इटली और रोम की पुरातात्विक स्थलों का अध्ययन किया जाता है, खासकर हथेली के पिछले हिस्से की तरह हर बचे हुए पुरातात्विक अवशेष की व्यापक रूप से जांच की जाती है और उन्हें जानकर आप शायद रोम के सबसे अच्छे गाइड बन जाएंगे। रोमन और ग्रीक खंडहरों के वास्तुकला सैंपल को अमेरिका के सुपर-रिच और मशहूर लोगों के नए घरों में बड़े चाव से कॉपी किया गया है। एक खूबसूरत वास्तुकला के रूप में, जिसे पास के वेसुवियस से ज्वालामुखी की राख की एक परत से ढककर पोम्पेई में बेदाग रखा गया था, पॉलगेटी के घर में ईमानदारी से कॉपी किया गया था। अमेरिकी अपने श्वेत प्रजातीय श्रेष्ठता के दर्शन कोकृ यूरोपीय भाषा में इसे यूरोपियन सुप्रीमेसी कहते हैंकृ यूरोप के देशों में निर्यात करने की कोशिश कर रहे हैं। यही वह चीज है जो ट्रंप जैसे अमेरिकी फैलाना चाहते हैं। कुछ लीडर ऐसे हैं जो पहले से ही अपने आप में थोड़ा नरम रूख के हो चुके हैंकृ जैसे हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान या स्लोवाकिया के राष्ट्रपति। कुल मिलाकर, मार्को रुबियो यूरोप के उदार देशों के नजरिए में बुनियादी अंतर पर ही टिके रहे, जैसा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और दूसरे लोग दिखाते हैं। अमेरिकी जीवनमूल्य, यानी ईसाई धर्म, यूरोप की विरासत का शर्म के बजाय सम्मान, और सबसे बढ़कर, आप्रवासियों पर रोक लगाने जैसे कदमों में बदल गया ताकि अमेरिकियों ने जिसे यूरोप का श्सभ्यता का खत्म होनाश्य कहा था, उसे रोका जा सके। ये जीवन मूल्य भले ही सत्ताधारी अमीर लोगों के लिए थोड़ी दूर की हों।

कर्नाटक में देसी बीज बचाने वाली महिलाएं

> जलवायु बदलाव के दौर में इसके महत्व को समझा जा सके। मैं कर्नाटक में वनस्री के काम को देखने के लिए कुछ साल पहले गया था। कई गांव घूमा था। और महिला समूह के सदस्यों से मिला था। इसके बाद भी वनस्री के कार्यकताओं से एक दो बार अलग-अलग कार्यक्रमों में मुलाकात हुई है। यहां महिलाओं ने लगातार देसी बीज बचाने, विशेषकर सब्जियों के बीज संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वन बागवानी के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे देसी बीजों के साथ पारंपरिक ज्ञान भी बचाया जा सके। जलवायु बदलाव के दौर में प्रतिकूल परिस्थितियों, जैव विविधता व पर्यावरण को बचाया जा सके। इससे न केवल गांव, कस्बों, शहरों की महिलाओं को जोड़ा है, बल्कि दूरदराज के आदिवासियों महिलाओं को भी जोड़ा है और उन्हें प्रशिक्षित किया है। वनस्री की शुरूआत 2001 में हुई। सुनीता राव ने इसकी पहल की थी, जो अपनी पढ़ाई के दौरान ही जापान के मशहूर कृषि वैज्ञानिक मोसानोबू फुकूओका से मिली थीं और प्रभावित हुई थीं। तब वह पांडिचेरी में पढ़ रही थीं, उस दौरान फुकूओका वहां आए थे। उनसे प्रभावित होकर वैसा ही काम करना चाहती थीं। एक जमाने में फुकूओका की किताब एक तिनके से आई क्रांति काफी चर्चित रही थी। फुकूओका ने खुद जापान में उनके खेत में प्राकृ तिक खेती के प्रयोग किए थे, जो बाद में दुनिया भर में चर्चित हुए। संस्था की कार्यकर्ता सुनीता राव ने बताया था कि वनस्री को काम करते हुए कई साल हो गए हैं। इससे जुड़कर बड़ी संख्या में महिला किसान जंगल घरेलू कृषि बागवानी का अनूठा काम कर रही हैं। इससे खाद्य, चारा, ईंधन, रेशा, औषधियां मिलती हैं।

बाबा मायाराम

कर्नाटक राज्य में उत्तर कन्नड़ जिले की सिरसी तालुका में महिला किसानों का समूह है, जो जंगल में घरेलू कृषि बागवानी को बढ़ावा देता है। परंपरागत देसी बीजों, जैव विविधता और पर्यावरण का संवर्धन और संरक्षण करता है। वनस्री नामक संस्था के काम से ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों के लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। आज इस अनूठे महिला समूह के बारे में बात करना चाहूंगा, जिससे देसी बीजों को बचाने की इस पहल को जाना जा सके। जलवायु बदलाव के दौर में इसके महत्व को समझा जा सके। मैं कर्नाटक में वनस्री के काम को देखने के लिए कुछ साल पहले गया था। कई गांव घूमा था। और महिला समूह के सदस्यों से मिला था। इसके बाद भी वनस्री के कार्यकताओं से एक दो बार अलग-अलग कार्यक्रमों में मुलाकात हुई है। यहां महिलाओं ने लगातार देसी बीज बचाने, विशेषकर सब्जियों के बीज संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वन बागवानी के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे देसी बीजों के साथ पारंपरिक ज्ञान भी बचाया जा सके। जलवायु बदलाव के दौर में प्रतिकूल परिस्थितियों, जैव विविधता व पर्यावरण को बचाया जा सके। इससे न केवल गांव, कस्बों, शहरों की महिलाओं को जोड़ा है, बल्कि दूरदराज के आदिवासियों महिलाओं को भी जोड़ा है और उन्हें प्रशिक्षित किया है। वनस्री की शुरूआत 2001 में हुई। सुनीता राव ने इसकी पहल की थी, जो अपनी पढ़ाई के दौरान ही जापान के मशहूर कृषि वैज्ञानिक मोसानोबू फुक्कूओका से मिली थीं और प्रभावित हुई थीं। तब वह पांडिचेरी में पढ़ रही थीं, उस दौरान फुक्कूओका वहां आए थे। उनसे प्रभावित होकर वैसा ही काम करना चाहती थीं। एक जमाने में फुक्कूओका की किताब एक तिनके से आई क्रांति काफी चर्चित रही थी। फुक्कूओका ने खुद जापान में उनके खेत में प्राकृ तिक खेती के प्रयोग किए थे, जो बाद में दुनिया भर में चर्चित हुए। संस्था की कार्यकर्ता सुनीता राव ने बताया था कि वनस्री को काम करते हुए कई साल हो गए हैं। इससे जुड़कर बड़ी संख्या में महिला किसान जंगल घरेलू कृषि बागवानी का अनूठा काम कर रही हैं। इससे खाद्य, चारा, ईंधन, रेशा, औषधियां मिलती हैं। यह बेहतर स्वास्थ्य के साथ टिकाऊ जीवनशैली का आधार है। प्रकृति से जुड़ने का एक माध्यम भी है। सुनीता राव बताती हैं कि इसकी शुरूआत अनौपचारिक रूप से हुई। जब भी हम किसी के घर जाते थे तब वे सबसे पहले उनका सब्जी का बगीचा दिखाते थे, बाद में घर के अंदर ले जाते थे। उनके लिए सब्जी का बगीचा बहुत महत्वपूर्ण होता था। यह बगीचा घर के बाहर छोटे हिस्से में होता है। एक एकड़ से कम या ज्यादा भूमि के टुकड़े में हो सकता है। जिसमें मिश्रित फसलें होती हैं। विविध तरह की सब्जियां, फल- फूल, जंगली कंद-मूल व औषधिपूर्ण पौधे होते हैं। वे आगे बताती हैं कि श्ये महिलाएं पूरी तरह आत्मनिर्भर व स्वावलंबी हैं। वे अपने बगीचे में सब्जियां व फल उगाती हैं। फसल कटाई के बाद बीजों को चुनती हैं, उन्हें संभालती हैं, और उनका आदान-प्रदान करती हैं। परंपरागत बीजों की धरोहर व उससे जुड़े पारंपरिक ज्ञान को सहेजती हैं। मैं भी ऐसा ही कुछ काम करना चाहती थी। देसी बीजों का संरक्षण करना चाहती थी, परंपरागत ज्ञान एकत्र करना चाहती थी। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं को जोड़ने की इच्छा थी। वनस्री की शुरूआत इसी तरह से हुई। वनस्री ने इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए अलग-अलग समय में कई तरह के काम किए हैं। उन्होंने जगह-जगह जाकर देसी बीज एकत्रित किए, आपस में आदान प्रदान किए, उनके गुणधर्म जाने, और इसका प्रचार- प्रसार किया। इस संस्था ने कोविड के दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व स्वस्थ रहने के लिए पारंपरिक काढ़े को बढ़ावा दिया है। यह हल्दी, अदरक, काली मिर्च, ब्राम्ही, तुलसी, अजवाइन, जीरे का उपयोग कर बनाया जाता है। इस काढ़े को दूध या पानी के साथ पीते हैं। लेमनग्रास, अदरक व तुलसी की चाय पी। यह पारंपरिक नुस्खा सदियों से आजमाया गया है, जो लोगों के अनुभव व पारंपरिक ज्ञान से निकला है। वनस्री ने अखबारी कागज के गमले बनाए हैं। उनमें बीज और पौधे रोपकर स्थानीय स्तर पर वितरित किए। इस मुहिम में स्वैच्छिक कार्यकर्ता के रूप में कुछ युवा भी जुड़े। वनस्री के काम के प्रचार-प्रसार में डाकघर व डाकिया का योगदान अहम है। एक डाकिया ने शुरूआत में पर्चे बांटने में मदद की थी। पारंपरिक बीजों के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिए हर साल मलनाड़ मेला होता है। इसके आयोजन में वनस्री भी शामिल है। इससे ग्रामीण व शहरी समुदायों को जोड़ने की कोशिश है। इसे मलनाड वार्षिक मेला कहते हैं, जो मेलनाडु पहाड़ी श्रृंखला के नाम पर है। जिसमें महिला किसान व वनस्री के सदस्य आते हैं। उनके खेती व जंगल के उत्पाद लाते हैं, जिसमें बीज, औषधीय पौधे, खाद्य व गैर खेती खादय व हस्तशिल्प होता है। यह मेला एक दिन का होता है और यह भी ग्रामीण व शहरी लोग आते हैं और पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ उठाते हैं। इस पूरी पहल से कुछ बातें कही जा सकती हैं वनस्री व गांवों में घरेलू कृषि बागवानी का महत्व पता चला। परंपरागत बीजों का महत्व पता चला, जो सदियों से विकसित हुए हैं। ये बीज, स्थानीय मिट्टी पानी और जलवायु के अनुकूल होते हैं। इनमें कीट, सूखा और प्रतिकूल मौसम सहने की क्षमता होती है। जैवविविधता और पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका रेखांकित की, जो सदियों से है। बीज संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान के आदान प्रदान में महिलाएं सदैव आगे रही हैं। वे न केवल पारंपरिक बीज बल्कि रसोईघर की व्यवस्था, संस्कृति और जीवनशैली को बचाने में भी आगे रही हैं। कुल मिलाकर, यह परंपरागत बीजों को बचाने और बढ़ाने की, टिकाऊ खेती की, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और पर्यावरण बचाने की छोटी सी पहल है। आत्मनिर्भर, स्थानीयकरण व स्वावलंबन की ओर बढ़ने की पहल है। महिला किसानों को नई पहचान देने की पहल है, जो खेती की अधिकांश काम करती हैं परंतु पीछे रहती हैं। इससे यह भी समझ आता है कि बागवानी, सब्जी, फल-फूल, औषधीय पौधों व सब्जी बाड़ी (किचिन गार्डन) पर ध्यान दिया जाना चाहिए,जो बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है वनस्री की छोटी पहल उम्मीद की किरण भी दिखाती है, जो दीर्घकालीन उपायों की दिशा दिखाती है। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

शादी समारोह में 'हर्ष फायरिंग' से व्यक्ति की मौत

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ के गोमती नगर इलाके में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक शादी में जश्न के दौरान कथित तौर पर की गई 'हर्ष फायरिंग' में गोली लगने से 50 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना गोमतीनगर पुलिस थाना क्षेत्र के विराट खंड-1 में एक शादी समारोह में हुई। उसने बताया कि पीड़ित की पहचान अलीगंज थाना क्षेत्र के कपूरथला क्रॉसिंग के पास चांदगंज निवासी सुनील यादव के रूप में हुई, जो एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने आये थे। पुलिस ने कहा कि घायल होने पर परिवार के सदस्य और रिश्तेदार यादव को निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खाना खाने के बाद पानी पीने नहीं है गलत, बस जान लो कुछ तरीके

अक्सर बड़े-बुजुर्ग कहते हैं ह्लखाना खाने के तुरंत बाद पानी मत पियो, वरना पाचन खराब हो जाएगा। लेकिन क्या यह सलाह सच में वैज्ञानिक रूप से सही है? विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य मात्रा में पानी पीना नुकसानदायक नहीं है। हमारा पेट बहुत समझदारी से काम करता है। जब हम खाना खाते हैं, तो पेट में गैस्ट्रिक जूस और एंजाइम बनते हैं जो भोजन को पचाते हैं। थोड़ी मात्रा में पानी इन एंजाइम्स को ह्लपतलाह्व करके बेअसर नहीं करता। यानी यह धारणा कि पानी पाचन रस को खत्म कर देता है वैज्ञानिक रूप से सही नहीं है।

फिर यह मिथक कैसे बना?

कुछ लोगों को खाना खाने के तुरंत बाद ज्यादा पानी पीने से पेट फूलना, भारीपन,एसिडिटी, डकार जैसी समस्या हो सकती है। इसलिए अनुभव के आधार पर यह सलाह फैल गई कि ह्लपानी मत पियो।ह्व हड्डियों और जोड़ों के डॉक्टर बताते हैं कि शरीर में सही हाइड्रेशन बहुत जरूरी है। पानी शरीर के जोड़ों में लुब्रिकेशन बनाए रखता है, डिस्क और कार्टिलेज को स्वस्थ रखने में मदद करता है, मांसपेशियों के काम करने में सहायक है। इसलिए पानी से बचना नहीं, बल्कि संतुलन रखना जरूरी है।

सही तरीका क्या है?

खाना खाते समय छोटे-छोटे घूंट में पानी पी सकते हैं।, बहुत ज्यादा ठंडा पानी तुरंत बाद न पिएं। भारी भोजन के बाद 20,30 मिनट में सामान्य मात्रा में पानी लेना बेहतर है। पूरे दिन 7,8 गिलास पानी जरूर पिएं। जिन्हें एसिडिटी या डकार की समस्या है, जिनका पाचन कमजोर है, जिन्हें पेट में जल्दी गैस बनती है ऐसे लोग खाने के तुरंत बाद बहुत ज्यादा पानी न पिएं। खाने के बाद पानी बिल्कुल नहीं पीना चाहिएह्व यह पूरी तरह वैज्ञानिक रूप से सही सलाह नहीं है। मात्रा और तरीका ज्यादा महत्वपूर्ण है। थोड़ा पानी पाचन में बाधा नहीं डालता, बल्कि शरीर के लिए जरूरी है।

एक बार दक्षिण भारत के इन नेशनल पार्क में घूमने जरुर जाएं, रोमांच से भरपूर होगा अनुभव

नेशनल पार्क घूमने के लिए सबसे बेहतरीन है। यहां अपने बच्चों को भी साथ लेकर जा सकते हैं। नेशनल पार्क में एशियाई हाथी, बंगाल टाइगर शेर और तेंदुए से लेकर विभिन्न पक्षी प्रजातियों के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां पर एकदम शांत वातावरण और रोमांच से भरपूर एक्सपीरियंस मिलता है। आइए आपको इस लेख में बताते हैं साउथ के सस्ते नेशनल पार्क के बारे मे-

भारत में कुछ सबसे विविध और लुभावने वाले वन्यजीव अभयारण्य और नेशनल पार्क हैं, जो इसे जंगल सफारी के शौकीनों के लिए स्वर्ग बनाते हैं। ऐसे ही साउथ में मौजूद है नेशनल पार्क, जहां के घने जंगलों और हरी-भरी हरियाली मौजूद है। अगर आप भी साउथ के सस्ते नेशनल पार्क की सफारी करना चाहते हैं, तो आप यहां जरुर जाएं। इस लेख में हम आपको दक्षिण भारत के नेशनल पार्क के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे।

दक्षिण भारत के फेमस नेशनल पार्क

बांदीपुर नेशनल पार्क (कर्नाटक)- हरियाली और जंगल सफारी करने मजा अलग ही होता है। जीप में बैठकर आपको करीब से वन्यजीवों को देखने का मौका मिलेगा। इस पार्क की एंट्री फीस प्रति व्यक्ति 350 रुपये है। अगर जीप सफारी करते हैं, तो 3000 रुपये देने होंगे। इसके अतिरिक्त आप शेयरिंग बस में सफर करते हैं, तो प्रति व्यक्ति 100 रुपये लगते हैं।

पेरियार नेशनल पार्क (केरल)

इस नेशनल पार्क में झील मौजूद है, जहां आप बोट का आनंद ले सकते हैं। आपको बता दें कि, यह जगहकेरल के इडुक्की और पथनमथिट्टा जिले में स्थित है। पेरियार नेशनल पार्क की एंट्री फीस- प्रति व्यक्ति 155 रुपये है। नेशनल पार्क में जाने का समय सुबह 7 बजे से 10:00 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक खुला रहता है। वही, सफारी शुल्क- प्रति व्यक्ति लगभग 150 से 200 रुपये तक है।

मुदुमलाई नेशनल पार्क (तमिलनाडु)

साउथ के फेमस नेशनल पार्क में से एक है मुदुमलाई नेशनल पार्क। यहां पर हाथियों की बड़ी आबादी आपको देखने को मिलेगी।

गले में दर्द के साथ नाक से आ रहा है पानी, इन घरेलू उपायों से दूर होगी आपकी परेशानी

सर्दी-जुकाम एक बेहद सामान्य बीमारी है जिससे सभी लोग जीवन में कभी न कभी जरूर परेशान होते हैं। जुकाम होने के लगभग 24 घंटे पहले से ही उसके कुछ लक्षण दिखने लगते हैं। उन लक्षणों को देखकर अगर आप कुछ सावधानियां बरतते हैं तो आप खुद को जुकाम होने से खुद को बचा सकते हैं।

मार्च का महीना शुरू होने में अब सिर्फ कुछ दिन शेष हैं, ऐसे में मौसम धीरे-धीरे करवट लेना शुरू कर दिया है। बहुत से लोग अब रात में पंखा चलाकर सोना शुरू कर चुके हैं। इस बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम होना बहुत आम बात है, जिससे बहुत लोग परेशान रहते हैं। मगर ध्यान देने वाली बात यह है कि जुकाम होने से पहले शरीर में कुछऐसे लक्षण दिखते हैं जिसे देखकर कुछ उपाय अपनाकर आप सर्दी-जुकाम से बच सकते हैं।

बदलते मौसम में जब गले में चुभन के साथ नाक से पानी बहता है, तो सामान्यतौर पर यह सर्दी-जुकाम का संकेत होता है। जुकाम होने के लगभग 24 घंटे पहले से ही कुछ लक्षण दिखने लगते हैं, जैसे- गले में चुभन होना, नाक से पानी आना आदि। इन लक्षणों को देखकर अगर आप कुछ सावधानियां बरतते हैं तो आप खुद को सर्दी-जुकाम होने से बचा सकते हैं।

ऐसी स्थिति में एलोपैथिक दवाओं के तुरंत सेवन से बेहतर है कि हम अपनी रसोई में मौजूद औषधीय गुणों से भरपूर मसालों और जड़ी-बूटियों का सहारा लें। भाप लेना और सही मात्रा में गुनगुना पानी का सेवन श्वसन तंत्र में जमा कफ को पतला कर बाहर निकालने में मदद करता है। आइए इस लेख में उन असरदार घरेलू उपायों के बारे में जानते हैं जो आपको बिना किसी साइड इफेक्ट के राहत पहुंचा सकते हैं।

अदरक और शहद

गले के दर्द और खांसी के लिए अदरक और शहद का मेल काफी फायदेमंद होता है। अदरक में 'जिंजरॉल' नामक तत्व होता है जिसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। एक चम्मच अदरक के रस में थोड़ा सा शहद मिलाकर दिन में दो से तीन बार सेवन करने से गले की सूजन कम होती है और बहती नाक की समस्या में भी राहत मिलती है। यह गले की नसों को शांत कर चुभन से जल्दी छुटकारा दिलाने मदद करता है।

भाप और नमक के पानी से गरारा करना

अगर आपके गले में तेज दर्द है, तो हल्के गुनगुने पानी में आधा चम्मच सेंधा नमक मिलाकर गरारे करें। यह गले के ऊतकों में जमा तरल पदार्थ और कीटाणुओं को बाहर निकालता है। इसके साथ ही गर्म पानी की भाप लेना बंद नाक को खोलने का सबसे प्रभावी तरीका है। भाप लेने से श्वसन मार्ग की सूजन कम होती है और फेफड़ों तक ऑक्सीजन का प्रवाह सुचारू हो जाता है। तुलसी और काली मिर्च का काढ़ा तुलसी को 'जड़ी-बूटियों की रानी' कहा जाता है, जो वायरल संक्रमण से लड़ने में हमारी बहुत मदद करता है। 5-7 तुलसी के पत्ते, 2 काली मिर्च और एक छोटा टुकड़ा दालचीनी को पानी में उबालकर काढ़ा तैयार करें। यह काढ़ा न सिर्फ आपके बंद नाक को खोलता है, बल्कि शरीर के तापमान को नियंत्रित कर सर्दी को जड़ से खत्म करने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स फेफड़ों की सफाई कर सांस लेना आसान बनाते हैं।

सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये 5 पत्ते, जानें इनके चमत्कारी फायदे

हमारे आस-पास कई ऐसे पौधे और पत्ते होते हैं जो हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें से कुछ पत्ते ऐसे होते हैं जिनके उपयोग से न सिर्फ हमारे शरीर को एनर्जी मिलती है, बल्कि ये कई बीमारियों से भी बचाते हैं। आज हम आपको 5 ऐसे पत्तों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं। आइये जानते है इन पत्तों के बारे मे

बेल पत्र

बेल के पत्ते का सेवन कई प्रकार के लाभ प्रदान करता है। यह आयुर्वेद में बहुत महत्व रखता है और विशेष रूप से पेट संबंधी समस्याओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। बेल के पत्तों में पेट को शांत करने और कब्ज को दूर करने की क्षमता होती है। यह पेट के अल्सर और गैस की समस्या को कम करने में मदद करता है। बेल के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की इम्यून सिस्टम को बढ़ाते हैं। यह खून को साफ करने का काम करता है और त्वचा पर मुंहासे आदि की समस्या को कम करता है।

पान के पत्ते

पान के पत्ते भारतीय संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। यह न केवल ताजगी और स्वाद प्रदान करते हैं, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी देते हैं। दांतों और मसूड़ों के लिए फायदेमंदरू पान के पत्तों में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो दांतों और मसूड़ों की समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। पान के पत्तों का सेवन पेट की समस्याओं को दूर करता है और पाचन को बेहतर बनाता है। यह सांसों को ताजगी प्रदान करता है और माउथ फ्रेशनर के रूप में उपयोगी है। पान के पत्तों में फाइबर होता है, जो वजन घटाने में सहायक होता है।

करी पत्ते

करी पत्ते एक बहुमूल्य औषधि के रूप में जाने जाते हैं। यह न केवल स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि हमारी सेहत के लिए भी लाभकारी होते हैं। करी पत्तों का सेवन बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह बालों की झड़ने की समस्या को कम करता है और उन्हें स्वस्थ बनाता है। करी पत्ते पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं और अपच की समस्या को दूर करते हैं। ये शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। करी पत्तों का सेवन ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करता है।

तुलसी

तुलसी को संतुलन का पौधा कहा जाता है और यह आयुर्वेद में एक विशेष स्थान रखता है। यह न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक लाभकारी है। तुलसी के पत्ते शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं और संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। तुलसी का सेवन श्वास संबंधी समस्याओं जैसे खांसी, जुकाम और अस्थमा में मदद करता है। तुलसी का सेवन मानसिक तनाव और चिंता को कम करने में सहायक होता है। यह रक्तदाब को नियंत्रित करता है और हृदय को स्वस्थ रखता है।

पुदीना

पुदीना एक ताजगी देने वाली हर्ब है और यह हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। यह हर घर में आसानी से पाया जाता है और इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के भोजन और पेय पदार्थों में किया जाता है। पुदीना पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और पेट की ऐंठन तथा गैस की समस्या को दूर करता है। पुदीना सांसों को ताजगी देता है और माउथ फ्रेशनर के रूप में काम आता है। पुदीना त्वचा पर होने वाले दाने और मुंहासों को कम करता है। यह चेहरे को ताजगी और निखार प्रदान करता है। पुदीना गर्मी में शरीर को ठंडक प्रदान करता है और लू से बचाने में मदद करता है।

तो, इन पत्तों का सेवन जरूर करें और अपने शरीर को सेहतमंद रखें!

डिस्कलेमरः यह लेख केवल सूचना देने के उद्देश्य से है। किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लिए कृपया विशेषज्ञ से परामर्श लें।

ब्रज में शुरू हो गया होली का उत्सव, इस शहर में आज उड़ रहा है रंग-गुलाल

मथुरा के रमणरेती आश्रम में 21 फरवरी से शुरू हुआ होली महोत्सव ब्रज की परंपरा और भक्ति का सुंदर उदाहरण है। फूलों और गुलाल के साथ खेली जा रही यह होली श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान कर रही है। ब्रजभूमि में होली का रंग अब चढ़ने लगा है। उत्तर प्रदेश के मथुरा शहर स्थित रमणरेती आश्रम में 21 फरवरी से भव्य होली महोत्सव की शुरूआत हो गई है। यहां परंपरागत तरीके से फूलों और गुलाल के साथ होली खेली जा रही है। भक्तजन, स्थानीय श्रद्धालु और बाहर से आए पर्यटक बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल हो रहे हैं।

मथुरा के रमणरेती आश्रम में 21 फरवरी से शुरू हुआ होली महोत्सव ब्रज की परंपरा और भक्ति का सुंदर उदाहरण है। फूलों और गुलाल के साथ खेली जा रही यह होली श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान कर रही है। ब्रज में होली का रंग अब चढ़ चुका है, और आने वाले दिनों में यह उत्साह और भी बढ़ने की संभावना है।

फूलों की होली बनी आकर्षण का केंद्र

रमणरेती आश्रम में आयोजित होली महोत्सव की खास बात है झ फूलों की होली।

इस आयोजन में रंगों के साथ-साथ पुष्पवर्षा की जाती है, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में रंगीन हो उठता है।

गुलाल की हल्की बौछार और फूलों की बारिश के बीच भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे माहौल और भी आध्यात्मिक हो जाता है।

ब्रज में होली की शुरूआत

ब्रज क्षेत्र में होली का उत्सव लगभग 40 दिनों तक चलता है। इसकी शुरूआत बसंत पंचमी से हो जाती है। इस दौरान ब्रज क्षेत्र के अंतर्गत मथुरा और आसपास के क्षेत्रों में होली की परंपरा विशेष महत्व रखती है। रमणरेती आश्रम का यह आयोजन उसी परंपरा का हिस्सा है, जहां श्रद्धालु रंगों के साथ भक्ति का आनंद लेते हैं। श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ 21 फरवरी से शुरू हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। सुबह से ही आश्रम परिसर में भक्तों की आवाजाही शुरू हो जाती है। भक्तजन भजन, आरती और रंग-गुलाल के साथ उत्सव का आनंद ले रहे हैं। सुरक्षा और व्यवस्थाएं आयोजन के दौरान आश्रम प्रशासन द्वारा भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। आगंतुकों से अपील की जा रही है कि वे शांति और अनुशासन बनाए रखें तथा आयोजन की गरिमा का सम्मान करें।

भारत का वो गांव जहां रंगों या फूलों से नहीं बल्कि आग से खेली जाती है होली

होली रंगों का त्योहार है और फाल्गुन पूर्णिमा को बड़े धूमधाम

से मनाया जाता है। यह भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जिसमें लोग एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, नए कपड़े पहनते हैं और मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाते हैं। लेकिन भारत की सांस्कृतिक विविधता के चलते, होली सिर्फ रंग और गुलाल तक ही सीमित नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में लोग इसे पानी, मिट्टी, राख, सब्जियां, लड्डू, फूल, गाय का गोबर, लठमार और यहां तक कि आग से भी खेलते हैं। जी हां, भारत में एक ऐसा गांव भी है जहां लोग सुरक्षा और परंपरा के साथ आग के बीच होली मनाते हैं, जो इस त्योहार को और भी अनोखा और साहसिक बना देता है।

मल्कार्नेम गांव की अनोखी परंपरा

दक्षिण गोवा के पणजी से लगभग 80 किलोमीटर दूर स्थित मल्कार्नेम गांव अपने अनोखे उत्सव के लिए प्रसिद्ध है। यहां के लोग अपने शरीर पर गर्म अंगारे बरसाते हुए होली खेलते हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और इसे देखने वाले अक्सर हैरान रह जाते हैं। कई राज्यों में होली का त्यौहार अगले दिन ह्यहोलिका दहनह्व से शुरू होता है, जिसे बुराई के अंत का प्रतीक माना जाता है। लेकिन मल्कार्नेम गांव में लोग इसे बिल्कुल अलग तरीके से मनाते हैं। यहां होली केवल रंगों और खुशियों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह साहस, धैर्य और परंपरा का प्रतीक भी है।

आग से होली खेलने का साहसिक उत्सव

गांव के लोग त्योहार के दौरान अपने शरीर पर अंगारों को सहन करते हैं और आग से खेलते हैं। यह दृश्य सुनने में भले ही डरावना लगे, लेकिन स्थानीय लोग इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान और श्रद्धा का हिस्सा मानते हैं। हर साल, लोग इस उत्सव में भाग लेकर अपनी बहादुरी और परंपरा के प्रति सम्मान का परिचय देते हैं। यह अनोखी होली पूरे भारत में अपनी अलग पहचान रखती है और दिखाती है कि कैसे एक ही त्योहार को अलग-अलग रीति-रिवाजों और परंपराओं के माध्यम से मनाया जा सकता है।

रसोई के सामानों से बनाए जा सकते हैं हर्बल तेल, जानिए कुछ आसान तरीके

हर्बल तेल हमारे बालों और त्वचा की देखभाल करने में मदद कर सकता है। इन्हें घर पर बनाना न केवल सस्ता होता है, बल्कि यह हमें शुद्धता की गारंटी भी देता है।

इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप अपनी रसोई में मौजूद सामग्री से हर्बल तेल बना सकते हैं।

यह प्रक्रिया सरल है और इसे कोई भी आसानी से घर पर बना सकता है तो आइए इनकी विधि जानते हैं।

नारियल तेल का उपयोग करें

नारियल तेल एक बेहतरीन आधार होता है हर्बल तेल बनाने के लिए।

इसे हल्का गर्म करके उसमें तुलसी, नीम या करी पत्ते डालें। इन पत्तों को अच्छे से मिलाकर कुछ समय तक धीमी आंच पर पकाएं ताकि उनके गुण नारियल तेल में समा जाएं। इसके बाद इसे ठंडा होने

दें और छानकर एक बोतल में भर लें।

यह मिश्रण बालों को पोषण देने के साथ-साथ उन्हें मजबूत भी बनाता है।

जैतून का तेल और लहसुन आएगा काम

जैतून का तेल त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है और इसे घर पर बनाना आसान है।

इसके लिए जैतून के तेल में लहसुन की कुछ कलियां डालकर धीमी आंच पर पकाएं। जब लहसुन सुनहरा हो जाए तो इसे ठंडा करके छान लें।

यह हर्बल तेल त्वचा की समस्याओं जैसे मुंहासे और दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है। साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो त्वचा को पोषण देते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रखते हैं।

सरसों का तेल और मेथी दाना भी है प्रभावी

सरसों का तेल बालों की जड़ों को मजबूत करने के लिए जाना जाता है। इसमें मेथी दाना डालकर धीमी आंच पर पकाएं जब तक मेथी दाने भूरे न हो जाएं। फिर इसे ठंडा करके छान लें और बोतल में भर लें। इस हर्बल तेल से सिर की मालिश करने पर बाल झड़ने की समस्या कम होती है और नए बाल उगने में मदद मिलती है। तिल का तेल और अदरक भी है कारगर तिल का तेल शरीर को गर्म रखने वाला माना जाता है, खासकर सर्दियों में इसका उपयोग लाभकारी होता है।

750 लीटर मिलावटी सरसों तेल और रंग-एसेंस सीज

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने शनिवार को बुद्धेश्वर स्थित एक जनरल स्टोर पर छापेमारी की। जांच के दौरान यहां राइस ब्रान ऑयल में कृत्रिम रंग और एसेंस मिलाकर उसे शुद्ध सरसों तेल के रूप में बेचने का खुलासा हुआ। टीम ने मौके से 750 लीटर तेल समेत रंग और एसेंस जब्त कर नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। एफएसडीए टीम ने बुद्धेश्वर स्थित शिवम जनरल स्टोर पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान टीम को संदेह हुआ कि परिसर में बड़े पैमाने पर तेल में मिलावट का काम चल रहा है। जांच में सामने आया कि राइस ब्रान ऑयल में प्रतिबंधित रंग और एसेंस मिलाकर उसे सरसों तेल के रूप में तैयार किया जा रहा था। अधिकारियों के मुताबिक मिलावटखोर राइस ब्रान ऑयल को पीले रंग और तेज गंध देने के लिए कृत्रिम रंग और एसेंस का उपयोग कर रहे थे। इससे उपभोक्ताओं को भ्रमित कर इसे शुद्ध सरसों तेल के रूप में बेचा जाना था। मौके से 150 लीटर मिलावटी सरसों तेल और 600 लीटर राइस ब्रान ऑयल बरामद किया गया।

अभिषेक पर बरकरार रहेगा टीम प्रबंधन का भरोसा, अक्षर की वापसी तय! कुलदीप होंगे शामिल ?

अहमदाबाद : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सुपर आठ का मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच के लिए टीम में बड़े बदलाव की संभावना कम है, लेकिन टीम तीन स्पिनरों के साथ उतर सकती है। वहीं, अक्षर पटेल की भी एकादश में वापसी संभव है। ग्रुप चरण में अजेय रहने के बाद भारतीय टीम अब रविवार से टी20 विश्व कप में सुपर आठ चरण की शुरूआत करने उतरेगी। गत चैंपियन भारत का सामना अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पिछले बार की उपविजेता टीम से होगा। हाल ही में दोनों टीमों के बीच द्विपक्षीय टी20 सीरीज भी हुई थी, लेकिन विश्व कप के अहम मोड़ पर आकर मुकाबला खेलना दोनों के लिए ही आसान नहीं रहना वाला है। इस बात की संभावना कम है कि इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम में कुछ बड़े बदलाव होंगे। सैमसन को मौका मिलने की संभावना कम अभिषेक शर्मा लगातार तीन मैच में शून्य पर आउट हो चुके हैं और उन्हें टूनार्मेंट में अपने पहले रन का इंतजार है। सुपर आठ चरण से पहले अभिषेक की खराब फॉर्म भारतीय टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। अभिषेक के खराब प्रदर्शन के बाद इस बात पर चर्चा बढ़ी है कि क्या भारत संजू सैमसन को मौका देगा? गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने स्पष्ट किया था कि अभिषेक को एकादश से बाहर करने पर ड्रेसिंग रूम में कोई चर्चा नहीं हुई है, लिहाजा इस बात की संभावना बेहद कम है कि अभिषेक की जगह सैमसन को मौका दिया जाए। अभिषेक के लगातार दो बार ऑफ स्पिनरों के हाथों आउट हुए हैं और इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम पावरप्ले में ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने का फैसला करते हैं या नहीं। तिलक और सूर्यकुमार को संभालना होगा मोर्चा सुपर आठ में भारत को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की बड़े शॉट खेलने के बजाय स्थिर बल्लेबाजी करने की बदली हुई रणनीति की परीक्षा होगी। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन को छोड़कर शीर्ष चार में शामिल अन्य तीन बल्लेबाजों ने अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। सूर्यकुमार और तिलक ने हालांकि सूत्रधार की भूमिका निभाई है, लेकिन इन दोनों ने ऐसी पिचों पर सहज प्रदर्शन नहीं किया है जहां गेंद रुककर आ रही हो। भारत रन बनाने के लिए हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है। टीम को इन दोनों ऑलराउंडर से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अक्षर की वापसी से वॉशिंगटन को बैठना पड़ेगा बाहर भारत ने नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण के अंतिम मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल को आराम दिया था। उस मैच में अक्षर की जगह वॉशिंगटन सुंदर खेलने उतरे थे यह लगभग तय है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर प्लेइंग-11 में वापसी करेंगे। अक्षर की वापसी से यह तय है कि वॉशिंगटन को बाहर बैठना पड़ेगा क्योंकि टीम में पहले से ही हार्दिक और शिवम के रूप में दो ऑलराउंडर मौजूद हैं। अर्शदीप या कुलदीप, किसके साथ जाएगा भारत? पाकिस्तान के खिलाफ मैच को छोड़ दिया जाए तो भारत अब तक दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरा है। नीदरलैंड के खिलाफ मैच अहमदाबाद में ही हुआ था और उस मैच में स्पिनरों को पिच से मदद मिली थी। ऐसे में भारतीय टीम एक अतिरिक्त स्पिनर को उतारने पर विचार कर सकती है। इस स्थिति में अर्शदीप सिंह को बाहर बैठना पड़ सकता है और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की प्लेइंग-11 में वापसी हो सकती है। कुलदीप पाकिस्तान के खिलाफ मैच में खेले थे। अगर भारत तीन स्पिनरों के साथ उतरा तो वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और कुलदीप स्पिन का जिम्मा संभालेंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज होंगे। वहीं, नई गेंद से हार्दिक पांड्या शुरूआत करेंगे।

सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी भारतीय टीम, इतने बजे से खेला जाएगा मुकाबला

अहमदाबाद : टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में रविवार को उन दो टीमें एक दूसरे के सामने होंगी, जो पिछली बार इस टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंची थीं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच ये मुकाबला दोनों टीमों के लिए ही काफी अहम है। ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। भारत ने खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत किया है, लेकिन उसकी असली परीक्षा अब शुरू होगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन, केशव महाराज और एडेन मार्करम के रूप में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है। भारत को बल्लेबाजी में करना होगा सुधार भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी। भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। बल्लेबाजों को निभानी होगी जिम्मेदारी भारतीय टीम के लिए भले ही अभिषेक की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, लेकिन पहले चरण में तिलक की लचर बल्लेबाजी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 24 गेंदों में 25 रन, नामीबिया के खिलाफ 21 गेंदों में 25 रन और नीदरलैंड के खिलाफ 27 गेंदों में 31 रन बनाए। इस तरह से वह अभी तक अधिकतर मैच में रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे। टूनार्मेंट में उनका स्ट्राइक रेट 120 से थोड़ा ऊपर है जो उनके करियर के स्ट्राइक रेट 141 से काफी कम है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ 49 गेंद पर नाबाद 84 रन की मैच विजेता पारी खेलने के बाद कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। मजबूत है गेंदबाजी आक्रमण भारत को एक बात जो खतरनाक टीम और अब भी खिताब का प्रबल दावेदार बनाती है, वह है उसका गेंदबाजी आक्रमण जिसमें जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती के महत्वपूर्ण आठ ओवर शामिल हैं। पहले चरण में पाकिस्तान सहित कोई भी अन्य टीम भारतीय गेंदबाजों का सहजता से सामना नहीं कर पाई थी। वरुण ने चार मैचों में नौ विकेट लिए हैं और उन्होंने 5.16 की शानदार इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की है। बुमराह ने जो तीन मैच खेले हैं उसमें उन्होंने किफायती गेंदबाजी करते हुए प्रति ओवर केवल छह रन ही दिए हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच कब खेला जाएगा?

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच 22 फरवरी यानी रविवार को खेला जाएगा।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच कहां खेला जाएगा?

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच कितने बजे से खेला जाएगा?

अब होगी असली परीक्षा: अभिषेक की खराब फॉर्म से बढ़ी चिंता, तिलक का स्ट्राइक रेट कर रहा परेशान; गलती पड़ेगी भारी

अहमदाबाद : भारत ने टी20 विश्व कप में अजेय अभियान जारी रखा है, लेकिन अब उसकी असली परीक्षा शुरू होने जा रही है। सुपर आठ चरण में भारतीय टीम के सामने चुनौती बड़ी है और एक भी गलती उस पर भारी पड़ सकती है। टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में भारतीय टीम भले ही अजेय रही और उसने सभी चार मैच जीते, लेकिन अब तक उसका प्रदर्शन बहुत ज्यादा अच्छा नहीं रहा है। बल्लेबाजी हो या फील्डिंग दोनों ही मोर्चों पर टीम संघर्ष करती दिखी है। वहीं, गेंदबाजी अपेक्षाकृत संतोषजनक रही है, लेकिन अब गत चैंपियन टीम की असली परीक्षा शुरू होगी। शनिवार से सुपर आठ चरण की शुरूआत हो रही है और भारत अगले दौर में अपना पहला मैच रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने उतरेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में संजू सैमसन के नहीं चलने पर टीम प्रबंधन ने टी20 विश्व कप के लिए उनकी जगह ईशान किशन को अभिषेक शर्मा के जोड़ीदार के रूप में शामिल कर लिया, लेकिन उसने यह नहीं सोचा कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों की ओपनिंग जोड़ी धीमे विकेटों पर स्पिनरों के खिलाफ गच्चा भी खा सकती है। भारत के शीर्ष क्रम को धीमे विकेटों पर स्पिनरों के सामने संघर्ष करना पड़ रहा है। ऐसे में भारतीय टीम को दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजों की ओपनिंग जोड़ी की कमी खल रही है। बाएं हाथ के ओपनरों की जोड़ी के खिलाफ अंगुली के स्पिनर असरदार रहे हैं। समस्या सिर्फ बाएं हाथ के ओपनरों की नहीं है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने आ रहे तिलक वर्मा भी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। अब तक विश्व कप में अभिषेक के साथ तिलक का भी प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। धीमी पिचों पर नहीं खेलना बना समस्या भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में रनों का अंबार लगाया। समान उछाल और एक गति से आ रही गेंदों पर भारत ने 5 मैचों में 238, 209, 155 (10 ओवर में), 165 और 271 रन जैसे बड़े स्कोर बनाए। इस सीरीज में बल्लेबाजों के प्रदर्शन ने विश्व कप में धूम-धड़ाके की उम्मीदें जगाईं, लेकिन विश्व कप के पहले मैच से ही सह मेजबान भारत को अपने घर में मनमाफिक पिचें नहीं मिलीं। ये पिचें धीमीं थीं जिन पर अभिषेक और तिलक वर्मा जैसे स्ट्रोक प्लेयर को दिक्कत आई। अभिषेक तेजी से बल्ला घुमाते हैं और पिच पर रुककर आ रही गेंद पर वह अपने बल्ले की स्विंग से तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं। भारत ने अब तक इस विश्व कप में एक बार ही नामीबिया के खिलाफ 200 से अधिक का स्कोर किया है। सुपर आठ में भी अगर धीमीं पिचें मिलीं तो यहां भारतीय बल्लेबाजों को उसी तरह से तालमेल बिठाना होगा जैसा ईशान किशन ने पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन की पारी और सूर्यकुमार ने अमेरिका के खिलाफ 84 रन की पारी के दौरान दिखाया था। गंभीर ने अभिषेक से की लंबी मंत्रणा शुक्रवार को अभ्यास के दौरान निगाहें अभिषेक पर रहीं। अभिषेक ने कोच गौतम गंभीर से लंबी मंत्रणा की। गंभीर उन्हें कई गुर देते नजर आए। बाद में उन्होंने कैच का अभ्यास किया और स्पिन गेंदबाजी भी की। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा कि अभिषेक को लेकर कोई खास चर्चा नहीं हुई है, लेकिन हम विश्व कप के अहम दौर से गुजर रहे हैं। हमें उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वह गेंद को अच्छी तरह हिट कर रहे हैं। उन्हें अच्छी शुरूआत की जरूरत है। उन्होंने धीमी पिचों पर कहा कि क्यूरेटर सर्वश्रेष्ठ पिचें देने की कोशिश कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले बढ़ी भारत की चिंता, हार्दिक के शॉट पर घायल हुआ ये तेज गेंदबाज

अहमदाबाद : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले भारत के लिए चिंता की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नेट्स पर हार्दिक पांड्या के शॉट पर मोहम्मद सिराज चोटिल हो गए हैं।

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले के लिए अहमदाबाद में है। दोनों टीमों के बीच ये मैच 2024 विश्व कप के फाइनल की याद दिलाएगा। इस मैच की विजेता टीम सेमीफाइनल के लिए कदम आगे बढ़ाएगी, लेकिन इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले भारत की चिंता बढ़ गई है। विश्व कप से पहले ही टीम खिलाड़ियों की चोट की समस्या से जूझ रही थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहम है मैच जसप्रीत बुमराह और अभिषेक शर्मा तबीयत खराब होने की वजह से एक मैच में नहीं खेल सके थे, जबकि हर्षित राणा को तो चोट के कारण टूनार्मेंट से ही बाहर होना पड़ा था। हर्षित की जगह मोहम्मद सिराज को खेलने का मौका मिला था। सिराज अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले मैच में खेलने उतरे थे और उन्होंने

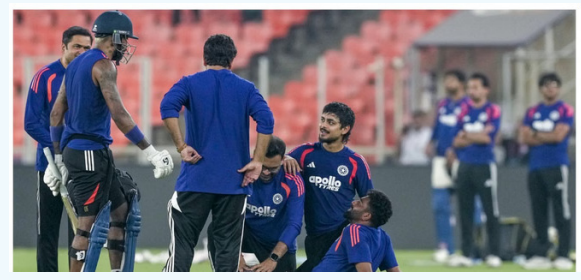

तीन विकेट भी लिए थे। अब भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना है तो इससे पहले ही टीम के तेज गेंदबाज सिराज चोटिल हो गए हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अभ्यास के दौरान हार्दि पांड्या के शॉट पर सिराज चोटिल हुए। गेंद सिराज के बाएं पैर के घुटने में लगी। सिराज इस दौरान दर्द में दिखे और लंगड़ाते हुए नेट्स से बाहर आए। भारतीय टीम प्रबंधन ने जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को ही ज्यादातर मैचों में मौका दिया है। अभ्यास के दौरान अभिषेक पर रही निगाहें शुक्रवार को अभ्यास के दौरान निगाहें अभिषेक पर रहीं। अभिषेक ने कोच गौतम गंभीर से लंबी मंत्रणा की। गंभीर उन्हें कई गुर देते नजर आए। बाद में उन्होंने कैच का अभ्यास किया और स्पिन गेंदबाजी भी की। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा कि अभिषेक को लेकर कोई खास चर्चा नहीं हुई है, लेकिन हम विश्व कप के अहम दौर से गुजर रहे हैं। हमें उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वह गेंद को अच्छी तरह हिट कर रहे हैं। उन्हें अच्छी शुरूआत की जरूरत है। उन्होंने धीमी पिचों पर कहा कि क्यूरेटर सर्वश्रेष्ठ पिचें देने की कोशिश कर रहे हैं।

सुपर आठ का रोमांच आज से, पाकिस्तानी स्पिन और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजी कौशल की होगी परीक्षा

कोलंबो : टी20 विश्व कप 2026 का ग्रुप चरण अब खत्म हो गया है और आज से सुपर आठ दौर की शुरूआत हो रही है। पहले मैच में पाकिस्तान का सामना न्यूजीलैंड से कोलंबो के आर प्रेमादासा स्टेडियम में होना है। टी20 विश्वकप में सुपर आठ चरण का रोमांच शनिवार को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले पहले मुकाबले से शुरू होगा। दोनों टीमें लीग चरण में 2024 की विजेता और उपविजेता से हार चुकी हैं। पाकिस्तान को गत चैंपियन भारत से 61 रन, तो न्यूजीलैंड को दक्षिण अफ्रीका से सात विकेट से करारी शिकस्त मिली थी।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच असल टक्कर स्पिन और बल्लेबाजी कौशल की होगी। पाकिस्तान के पास उस्मान तारिक की अगुआई में बेहतर स्पिन गेंदबाजी आक्रमण है, तो न्यूजीलैंड को टिम सीफर्ट और फिन एलन की सलामी जोड़ी के अलावा, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र और मार्क चेपमैन मजबूती प्रदान करते हैं। पाकिस्तान को धीमी पिच का फायदा सलमान आगा की पाकिस्तान के लिए मजबूत पक्ष यह है कि उसकी टीम कोलंबो और श्रीलंकाई परिस्थितियों से टी20 विश्वकप शुरू होने से पहले ही परिचित ही सुकी है। आर. प्रेमादासा स्टेडियम में वह दो मुकाबले खेल चुकी है। न्यूजीलैंड के लिए दिक्कत यह है कि उसके खिलाड़ी जनवरी से ही भारत में बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर खेलते आ रहे हैं। सुपर आठ के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को कोलंबो की धीमी पिच पर पाकिस्तानी स्पिनरों से निपटने के लिए खास रणनीति बनानी होगी। हालांकि न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भारत के विश्वस्तरीय स्पिनरों का अच्छे से सामना कर चुके हैं। आठवां टी20 विश्व कप मैच खेलेंगी दोनों टीमें टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान ने अब तक सात मैच खेले हैं।

सपनों पर सियासत का वार: बांग्लादेश के विश्वकप बहिष्कार पर फूटा कोच का गुस्सा, आसिफ नजरुल को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली : टी20 विश्वकप से बांग्लादेश के बहिष्कार पर सीनियर असिस्टेंट कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन ने सियासी फैसले को खिलाड़ियों के टूटे सपनों की वजह बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस निर्णय से युवा क्रिकेटरों को गहरा मानसिक आघात पहुंचा और जिम्मेदार लोगों ने बयान बदलकर सच छिपाया। बांग्लादेश क्रिकेट में इस वक्त सियासी भूचाल मचा हुआ है। टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद टीम के सीनियर असिस्टेंट कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन ने पूर्व खेल सलाहकार आसिफ नजरुल पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि गलत फैसलों और यू-टर्न ने खिलाड़ियों के सपनों को चकनाचूर कर दिया। '27 साल का सपना एक सेकंड में खत्म' टी20 विश्व कप में नहीं खेलने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सलाहुद्दीन ने कहा कि युवा खिलाड़ियों का जीवनभर का सपना एक झटके में तोड़ दिया गया। उन्होंने खुलासा किया कि दो खिलाड़ी तो मानसिक कोमा जैसी स्थिति में चले गए थे। उन्होंने कहा, 'जब कोई लड़का विश्व कप खेलने आता है, वह अपने 27 साल का सपना लेकर आता है। आप एक सेकंड में वह सपना तोड़ देते हैं। अगर यह देशहित का फैसला है तो

खिलाड़ी कुबार्नी देंगे, लेकिन निजी नुकसान की बात तो करनी पड़ेगी।' 'खुलेआम झूठ बोला गया' मामला तब और गरमाया जब आसिफ नजरुल के बयानों में विरोधाभास सामने आया। पहले उन्होंने कहा था कि भारत में मैच नहीं खेलने का फैसला सरकार का है। बाद में उन्होंने दावा किया कि यह फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों के साथ मिलकर लिया गया था ताकि राष्ट्रीय गरिमा बची रहे। इस पर सलाहुद्दीन ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'उन्होंने खुलेआम झूठ बोला। मैं खुद शिक्षक हूं, शिक्षक आम तौर पर कम झूठ बोलते हैं। ढाका यूनिवर्सिटी जैसे शीर्ष संस्थान का व्यक्ति ऐसे बयान दे, यह हम स्वीकार नहीं कर सकते।' बांग्लादेश ने क्यों हुआ टी20 विश्व कप से बाहर? बांग्लादेश विवाद की शुरूआत मुस्तफिजुर रहमान से हुई। नीलामी में जैसे ही केकेआर ने मुस्तफिजुर को खरीदा उसके बाद से ही सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने केकेआर, विशेषकर फ्रेंचाइजी के मालिक शाहरुख खान को घेरना शुरू कर दिया गया था। मामला बढ़ने पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सामने आना पड़ा था। बीसीसीआई ने तीन जनवरी 2026 को के के आर को निर्देश दिया कि वह मुस्तफिजुर को टीम से बाहर करे जिसके बाद फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक रूप से मुस्तफिजुर को रिलीज कर दिया। इस कार्रवाई से बौखलाए बांग्लादेश ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से अनुरोध किया कि उनके टी20 विश्व कप 2026 के मैच भारत से हटाकर श्रीलंका में कराए जाएं। शुरूआती कार्यक्रम के मुताबिक, बांग्लादेश को ग्रुप स्टेज में कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मुकाबला खेलना था। हालांकि, आईसीसी ने इस मांग को खारिज कर दिया और कहा कि भारत में किसी को कोई खतरा नहीं है। साथ ही आईसीसी ने बांग्लादेश को पहले 21 जनवरी तक का और फिर 21 जनवरी को और 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया। हालांकि, बांग्लादेश अपने फैसले पर अड़ा रहा, जिसके बाद आईसीसी ने उन्हें टूनार्मेंट से बाहर कर दिया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया।

अमेरिकी टैरिफ बदलाव के बावजूद भारत मजबूत स्थिति में, सीआईटीआई की महासचिव चंद्रिमा चटर्जी बोलीं

नई दिल्ली : CITI की महासचिव चंद्रिमा चटर्जी ने कहा कि अमेरिका की नई टैनीति के बावजूद भारत की स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता जारी रहने से भारतीय टेक्सटाइल निर्यातकों को आगे भी बाजार, निवेश और सहयोग के अवसर मिल सकते हैं। अमेरिकी टैरिफ व्यवस्था में हालिया बदलावों के बावजूद भारत मजबूत स्थिति में बना हुआ है। भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) की महासचिव चंद्रिमा चटर्जी ने यह दावा किया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ पर लगाया रोक दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक टैरिफ नीति के एक बड़े हिस्से को खारिज करते हुए

कहा कि संबंधित कानून राष्ट्रपति को ऐसे आयात शुल्क लगाने का अधिकार नहीं देता। इसके बाद ट्रंप ने सभी व्यापारिक साझेदार देशों पर 10 प्रतिशत का नया वैश्विक टैरिफ लागू करने की घोषणा की, जिसे उनकी व्यापार रणनीति का अगला चरण माना जा रहा है। भारत की स्थिति कैसे मजबूत? इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रिमा चटर्जी ने कहा कि उद्योग यह आकलन कर रहा है कि इन बदलावों का भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) पर क्या प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने बताया कि पहले भारत को कुछ प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले मामूली टैरिफ बढ़त हासिल थी, लेकिन वैश्विक 10 प्रतिशत टैरिफ लागू होने पर भी भारत की स्थिति अच्छी बनी रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत-अमेरिका के बीच चल रही द्विपक्षीय वाताएं जारी रहना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे भारतीय निर्यातकों को टैरिफ के अलावा निवेश, तकनीक आदान-प्रदान और सहयोग के रूप में भी फायदा मिल सकता है। चटर्जी ने यह भी कहा कि अमेरिका भारतीय टेक्सटाइल निर्यात के लिए एक प्रमुख बाजार है और कुल निर्यात में उसकी हिस्सेदारी करीब 30 प्रतिशत है।

सवाल-जवाब: जानें सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप के नए 10% टैरिफ का गणित, भारत पर क्या होगा असर?

नई दिल्ली: अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने नया 10% ग्लोबल टैरिफ लगाया है। जानिए भारत-अमेरिका व्यापार और निर्यात पर इसका क्या असर होगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक टैरिफ को खारिज किए जाने के बाद, अमेरिका ने व्यापार नियमों में बड़ा बदलाव किया है। व्हाइट हाउस ने 20 फरवरी को एक नई घोषणा जारी की है, जिसके तहत दुनिया भर से आयात होने वाले सामानों पर नया शुल्क लगाया गया है। आइए सवाल-जवाब के जरिए समझते हैं कि ये नए नियम क्या हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था व कंपनियों के लिए इसके क्या मायने हैं। सवाल 1: ट्रंप प्रशासन का नया टैरिफ नियम क्या है और यह कब से लागू होगा? जवाबः अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 फरवरी को एक नई घोषणा जारी की है। इसके तहत अमेरिका में आयात होने वाले सभी सामानों पर 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत का अस्थायी आयात सरचार्ज लगाया गया है। यह नया नियम 24 फरवरी, 2026 से प्रभावी हो जाएगा। यह 10 प्रतिशत का सरचार्ज मौजूदा एमएफएन शुल्क के ऊपर से लगाया जाएगा। सवाल 3: क्या कुछ सामानों को इस नए आयात शुल्क से छूट दी गई है? जवाबः जी हां, अमेरिकी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए व्हाइट हाउस ने कई वस्तुओं को इस अस्थायी आयात शुल्क से बाहर रखा है। छूट पाने वाले सामानों में क्रिटिकल मिनरल्स, ऊर्जा उत्पाद, फार्मास्युटिकल्स व दवा सामग्री, कुछ इलेक्ट्रॉनिक्स, यात्री वाहन और बीफ, टमाटर व संतरे जैसे कृषि उत्पाद शामिल हैं। हालांकि, भारत पर लगने वाले क्षेत्रीय टैरिफ जैसे स्टील, एल्युमीनियम और तांबे पर 50 प्रतिशत तथा कुछ ऑटो कंपोनेंट्स पर 25 प्रतिशत का शुल्क जारी रहेगा। सवाल 4: अमेरिका ने ये टैरिफ क्यों लगाए थे और भारत के साथ व्यापारिक आंकड़े क्या कहते हैं? जवाबः अमेरिका का आरोप है कि भारत अमेरिकी सामानों पर भारी टैरिफ लगाता है, जिससे अमेरिकी निर्यातकों को नुकसान होता है ।

नगर निगम के सदन में पार्षदों में तीखी बहस,भाजपा पार्षद ने वाकआउट किया

लखनऊ,(संवाददाता)।लखनऊ नगर निगम का सदन शुरू होते ही भाजपा और कांग्रेस पार्षदों के बीच तीखी बहस और तनातनी हो गई। भाजपा पार्षद के बोलने पर कांग्रेस वाले ने कहा कि आप बार-बार न बोलिए।इसके बाद दोनों पक्षों में स्थिति यहां तक पहुंची कि अन्य पार्षदों को बीच में आना पड़ा। दरअसल, कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान सदन का एजेंडा न मिलने का विरोध कर रहे थे। इस बीच भाजपा पार्षद अन्नू मिश्रा कुछ बोलने लगे तो उन्होंने मना किया कि वह बार-बार न बोलें। इसी पर दोनों में तकरार हो गई। इसी दौरान कांग्रेस पार्षद ममता रावत अन्नू के करीब पहुंच गईं और उन्हें शांत कराने लगीं। मामला शांत हुआ तब सदन शुरू हुआ। इस बीच भाजपा पार्षद नागेंद्र सिंह ने सदन का बहिष्कार कर वाकआउट कर दिया। मेयर सुषमा खर्कवाल ने यह विशेष सदन बुलाया था। इसमें पहले से कोई विषय या एजेंडा न होने पर पक्ष-विपक्ष के सभी पार्षद विरोध करने लगे। पहुंचे सभी पार्षदों ने इसलिए विरोध किया क्योंकि उन्हें सदन का विषय नहीं मिला था। सबका कहना था कि बिना एजेंडा के पार्षदों को बुलाया गया। सिर्फ सदन होने की सूचना दी गई थी। मेयर ने बताया कि यह सदन 2025-26 के पुनरीक्षित बजट को मंजूरी देने, वेस्ट टू एनर्जी प्लांट लगाने के उद्देश्य से बुलाया गया था।

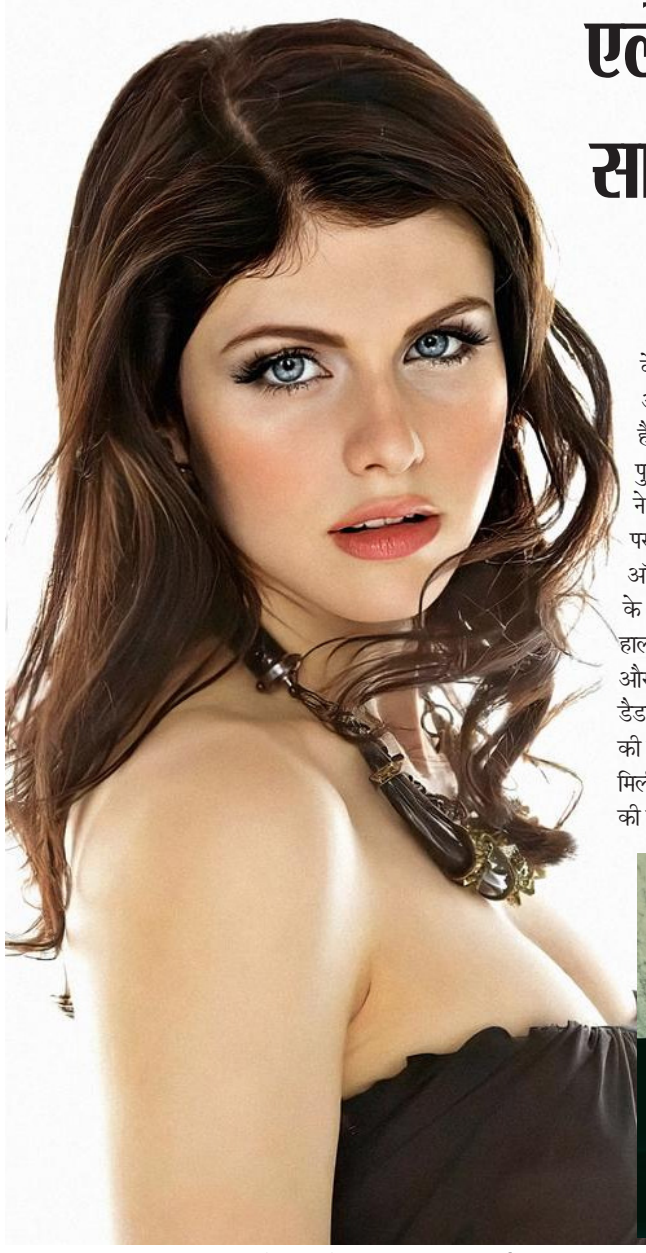

एलेक्जेंड्रा डैडारियो और एंड्रयू फॉर्म ने 3 साल बाद अलग होने का किया फैसला,

साथ मिलकर करेंगे बच्चे की परवरिश

हॉलीवुड से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। अभिनेत्री एलेक्जेंड्रा डैडारियो और फिल्म प्रोड्यूसर एंड्रयू फॉर्म ने शादी के तीन साल बाद अलग होने का फैसला किया है। एलेक्जेंड्रा डैडारियो और एंड्रयू फॉर्म ने जून 2022 में दी की थी। लेकिन अब 3 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया है। इस फैसले के साथ उन्होंने कुछ समय के लिए प्राइवेसी की मांग की है। साथ मिलकर करेंगे बच्चे की परवरिश पीपल मैगजीन को दिए गए आधिकारिक बयान में उनके प्रतिनिधि ने इस बात की पुष्टि की। दोनों ने आपसी सहमति से बिछड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने बयान में कहा, ह्यएलेक्जेंड्रा डैडारियो और एंड्रयू फॉर्म ने अलग होने का फैसला किया है। यह फैसला प्यार और सम्मान के साथ लिया गया है। वे अपने बच्चे की साथ मिलकर परवरिश करेंगे और फिलहाल प्राइवेसी की उम्मीद करते हैं।ह्न जून 2022 में हुई थी शादी बता दें कि दोनों ने जून 2022 में न्यू ऑरलियन्स में शादी की थी। उनकी मुलाकात कोविड के दौरान न्यूयॉर्क की एक सड़क पर अचानक हुई थी। इसके बाद 2021 के आखिरी में दोनों ने सगाई की थी। एक पुराने इंस्टाग्राम पोस्ट में एलेक्जेंड्रा ने एंड्रयू को ह्यसबसे वंडरफुल इंसानह्न बताया था, हालांकि अब यह पोस्ट डिलीट हो चुकी है। कपल 2024 में एक बेटे के माता-पिता बने। एलेक्जेंड्रा, एंड्रयू के दो बच्चों- रोवन और जूलियन की सौतेली मां भी हैं। इन बच्चों को एंड्रयू अपनी एक्स-वाइफ जोडार्ना ब्रियुस्टर के साथ शेयर करते हैं। एलेक्जेंड्रा डैडारियो के करियर का सफर करियर की बात करें तो एलेक्जेंड्रा ने 16 साल की उम्र में टीवी शो ऑल माय चिल्ड्रन से एक्टिंग की शुरूआत की थी। उन्हें खास पहचान फिल्म ह्यपर्सी जैक्सन एंड द ओलंपियन्सः द लाइटनिंग थीफऔर इसके सीक्वल से मिली, जहां उन्होंने एन्नाबेथ चेज का किरदार निभाया था। इसके बाद बेवॉच में लीड रोल से उन्हें और कामयाबी मिली। एचबीओ की हिट सीरीज द व्हाइट लोटस के पहले सीजन में रेचल पैटन की भूमिका के लिए उन्हें प्राइमटाइम एमी नॉमिनेशन भी मिला था।

देवेंद्र फडणवीस ने आर्यन खान को द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के लिए दिया बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर अवॉर्ड

आर्यन खान ने अपने डायरेक्टोरियल डेब्यू वेब सीरीज, द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के साथ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक धमाकेदार और असरदार एंट्री की है। यह सीरीज उनके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुई, जिसने एक फिल्म मेकर के तौर पर उनकी अपनी पहचान और विजन को मजबूती से सबके सामने रखा। तेज-तर्रार राइटिंग, शानदार ह्यूमर और दिलचस्प कहानी के दम पर इस शो को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। क्रिटिक्स से लेकर आम जनता तक, हर किसी ने आर्यन के नए नजरिए और कैमरे के पीछे उनके गजब के आत्मविश्वास की जमकर तारीफ की है। सीरीज की शानदार कामयाबी के बाद, आर्यन को अपने काम के लिए लगातार तारीफें मिल रही हैं। अब उन्हें द बैड् स ऑफ बॉलीवुड के लिए बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर ऑफ द ईयर के अवॉर्ड से नवाजा गया है। 75वीं सालगिरह के मौके पर उन्हें यह सम्मान दिया गया, जहाँ एक नए डायरेक्टर के तौर पर उनकी इस बड़ी उपलब्धि को सराहा गया। यह खास अवॉर्ड उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों मिला, जो उनके इस सफर में गर्व करने वाला एक और बड़ा मौका है। हाल ही में उन्हें एनडीटीवी इंडियन ऑफ द ईयर 2025 में भी इसी सीरीज के लिए डेब्यू डायरेक्टर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला था, जो उनकी बढ़ती कामयाबी की लिस्ट में एक और सितारा जोड़ता है। सितंबर में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस सीरीज ने अपनी तेज-तर्रार कॉमेडी और जबरदस्त कहानी के दम पर लोगों के दिलों में जगह बना ली। देखते ही देखते यह नेटफ्लिक्स इंडिया पर नंबर 1 स्पॉट पर पहुंच गई और यही नहीं, इसने नेटफ्लिक्स की ग्लोबल टॉप 10 लिस्ट (नॉन-इंग्लिश शो) में भी अपनी जगह बनाई, जो कई देशों में ट्रेंड कर रही थी। न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर बिलबोर्ड पर इसकी झलक दिखना इस बात का साफ सबूत था कि शो का जलवा अब सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया में इसका डंका बज रहा है। आर्यन खान ने खुद इस सीरीज को लिखा और डायरेक्ट किया है, जिसे गौरी खान ने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।

कृतिका कामरा और गौरव कपूर की वेडिंग डेट हुई फिक्स, बिना किसी शोर शराबे के सादगी से सात जन्मों के बंधन में बंधेगा कपल

एक्ट्रेस कृतिका कामरा और क्रिकेट कमेंटेटर गौरव कपूर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। जल्द ही दोनों के घर शादी की शहनाई बजने वाली है। लंबे समय से फैंस दोनों की शादी का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच उनकी शादी की डेट भी फिक्स हो गई है। तो ये कपल अगले महीने पति-पत्नी बन जाएंगे। सबसे पहले आपको बता दें कि कृतिका कामरा और गौरव कपूर 11 मार्च को शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनों ने बिना किसी शोर शराबे और दिखावे के सिंपल तरीके से शादी करने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि दोनों घर पर ही निजी साइनिंग सेरेमनी में शादी करेंगे, जिसमें केवल घर के लोग ही शामिल होंगे। हालांकि, शादी के बाद दोनों ने रिसेप्शन पार्टी देने का फैसला किया है, जो कि 12 मार्च को होस्ट की जाएगी। इस खास मौके पर कई टीवी और बॉलीवुड के स्टार्स और कई क्रिकेटर्स शामिल होंगे। कपल के करीबी सूत्रों की मानें तो दोनों का यह मानना है कि वह बिना दिखावे के ऐसी शादी करें जिसमें ढेर सारी यादें हों। ऐसे पल जिसे आप जी सकें। वह परंपराओं का सम्मान करते हैं।

रमजान में हिना खान ने बांटी इफ्तारी, शेयर किया वीडियो

कहा- 'आज दिल ने चाहा मिठास और दुआएं सबके साथ शेयर करूं'

रमजान का पाक महीना चल रहा है। हिना खान ने आज शनिवार को एक बेहद प्यारा सा वीडियो शेयर किया है। इसमें वे दूसरों के साथ इफ्तारी बांटती दिख रही हैं। माह-ए-रमजान को इबादत का महीना कहा जाता है। लोग रोजे रखते हैं। दुआ करते हैं। प्यार मोहब्बत के साथ ही इफ्तारी के रूप में मिठास और अपनापन भी बांटते हैं। हिना खान ने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कुछ यही मैसेज दिया है। उनका कहना है कि इफ्तारी का असली स्वाद तभी आता है, जब इसे सबके साथ बांटा जाता है। हिना ने लिखा- 'आज दिल ने चाहा कि...' हिना खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। वे अपने हाथों से इफ्तारी के लिए कुछ पकवान बनाती हैं। उन्हें पैक करती हैं। फिर सबको बांटकर रमजान की मुबारकबाद देती हैं। हिना ने कैप्शन लिखा है, 'आज दिल ने चाहा के इफ्तारी सिर्फ घर तक सिमित न रहे। थोड़ी सी खुशबू, थोड़ी सी मिठास के साथ और बहुत सारी दुआएं सबके साथ शेयर करूं, क्योंकि इफ्तारी का असली स्वाद तब आता है, जब वो सिर्फ खाया नहीं, सबके साथ बांटा जाता है'। नेटिजन्स ने की तारीफ हिना खान के इस पोस्ट पर नेटिजन्स के सकारात्मक रिएक्शन आ रहे हैं। यूजर्स और फैंस एक्ट्रेस की तारीफ कर रहे हैं। साथ ही, रमजान की मुबारकबाद दे रहे हैं। हिना खान ने छोटे पर्दे पर 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से करियर शुरू किया था। इसमें वे अक्षरा की भूमिका में नजर आईं। हिना खान की पर्सनल लाइफ हिना खान ने कई चर्चित टीवी शो और वेब सीरीज में काम किया है। हिना खान ने बीते दिनों लाइफ का मुश्किल पड़ाव देखा। अभिनेत्री ब्रेस्ट कैंसर का शिकार हो गई थीं। हालांकि, उन्होंने बड़ी हिम्मत के साथ इसका मुकाबला किया और कैंसर को मात दी। हिना की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने रॉकी जायसवाल से शादी की है।

भतीजी की विदाई में भावुक हुए राजपाल यादव, चाचू के गले लगकर खूब रोई दुल्हन

एक्टर राजपाल यादव 17 फरवरी को भतीजी की शादी अटेंड करने के लिए जमानत पर बाहर आए थे और सीधे ही अपने पैतृक गांव जाकर फंक्शन में शरीक हुए थे। बीते दिन एक्टर का भतीजी की संगीत नाइट में डांस का वीडियो वायरल हुआ था। वहीं, अब भतीजी की शादी से राजपाल यादव के कुछ और भी वीडियोज सामने आए हैं। दरअसल राजपाल यादव की भतीजी की शादी यूपी के शाहजहांपुर में हुई है तो एक्टर इस वक्त यहीं पर हैं। शादी से सामने आए एक वीडियो में एक्टर राजपाल यादव रोटियां बेलते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही हलवाई से बातें भी करते दिख रहे हैं। इस दौरान वह कहते दिखे कि इतने साल बाद भी वो कुछ भूले नहीं हैं। वहीं, एक वीडियो में राजपाल यादव काफी भावुक दिख रहे हैं। दरअसल, राजपाल की भतीजी की विदाई हो रही है और वो अपने चाचा से गले मिलकर रोती है। ऐसे में एक्टर भी अपने इमोशन्स रोक नहीं पाए और भावुक हो गए। फैंस एक्टर के इन वीडियोज को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। यह मामला साल 2010 से जुड़ा है, जब राजपाल यादव ने एक कारोबारी से कर्ज लिया था। बताया जाता है कि वह तय समय पर रकम चुकाने में असमर्थ रहे और उनके द्वारा जारी किए गए कई चेक बाउंस हो गए। इसके बाद कारोबारी ने उनके खिलाफ कानूनी शिकायत दर्ज करवाई। मामले में बकाया राशि का भुगतान न होने के कारण एक्टर को अदालत के समक्ष सरेंडर करना पड़ा। बाद में उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई और वह जेल से बाहर आ गए हैं।

बॉलीवुड छोड़कर हॉलीवुड जाने पर प्रियंका चोपड़ा ने दिया बड़ा बयान, एक्ट्रेस ने कहा- मुझे पुश किया गया

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड छोड़कर हॉलीवुड जाने को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें बॉलीवुड छोड़ने के लिए ह्यपुशह्न किया गया। जानिए उन्होंने ऐसा क्यों कहा। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा दुनियाभर में मशहूर हैं। उन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों में काम किया है और अपने करियर में कई शानदार फिल्में की हैं। अपने करियर के पीक समय में उन्होंने बॉलीवुड छोड़ दिया था और हॉलीवुड का रुख किया था। लेकिन अब प्रियंका चोपड़ा ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वे कभी बॉलीवुड छोड़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें हिंदी सिनेमा से बाहर मौके तलाशने के लिए ह्यपुशह्न किया। मैं कभी बॉलीवुड नहीं छोड़ना चाहती थी बॉलीवुड से हॉलीवुड तक के अपने सफर पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने खुलकर अपनी दिल की बात शेयर की। प्रियंका ने कहा, ह्यमुझे नहीं लगता कि मैं कभी बॉलीवुड छोड़ना चाहती थी। लेकिन जब मैं हिंदी फिल्मों में काम कर रही थी, तो कई वजहों से खुद को थोड़ा सीमित महसूस करती थी। मैं अपने काम का दायरा बढ़ाना चाहती थी। एक कलाकार के तौर पर मैं कुछ नया और रोमांचक करना चाहती थी। इसी सोच ने मुझे दूसरे मौके तलाशने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आगे कहा, ह्यइसी तलाश ने मुझे अमेरिका पहुंचाया। अब करीब 12 साल बाद मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उस मुकाम पर हूं, जहां मैं अपने मनपसंद और बेहतरीन प्रोजेक्ट्स चुन सकती हूं। लेकिन यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था। मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है उन्होंने आगे कहा, ह्यमुझे मेरी इंडियन फिल्मों से प्यार है। मैं बहुत खुश हूं कि वापस भारत में आकर वाराणसी फिल्म के लिए काम कर रही हूं। मैं कभी भी इन दोनों में से किसी एक को चुनना नहीं चाहूंगी। मैंने कभी ऐसा किया भी नहीं। मुझे लगता है कि मैं दोनों इंडस्ट्री के बीच संतुलन बनाकर चलती हूं और मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है। दोनों जगह काम करने का तरीका कई मायनों में अलग है, ठीक वैसे ही जैसे उनकी संस्कृतियां अलग होती हैं।

मैं शादीशुदा हूं ये भूल जाती हूं, तापसी पन्नू ने बताया क्यों की मैथियास बो से शादी? लड़कियों को दी ये सलाह

तापसी पन्नू ने रिश्तों और शादी को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने मैथियास बो से की शादी? एक्ट्रेस ने लड़कियों को दी ये खास सलाह तापसी पन्नू अपनी शादी और पर्सनल जिंदगी को काफी सीक्रेट रखती हैं। उन्होंने पति मैथियास से शादी से पहले 13 साल तक डेट किया, लेकिन किसी को कानों कान खबर नहीं लगने दी। इसके बाद उन्होंने शादी भी बिना किसी हो-हल्ले के सिंपल तीरके से कर ली, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी ही शामिल हुए। अब हाल ही में तापसी ने बताया कि उन्हें किस तरह का रिलेशनशिप पसंद है और क्यों उन्होंने 13 साल बाद मैथियास को अपना हमसफर बनाया? शादी के बाद नहीं आया कोई बदलाव शुभांकर मिश्रा के साथ पॉडकास्ट में एक्ट्रेस ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने मैथियास के बारे में कहा कि उन्होंने मुझे कभी भी रिश्ते का बोझ महसूस नहीं होने दिया। शादी के बाद भी कुछ खास बदलाव नहीं आया। मैं लगभग भूल ही जाती हूं कि मैं शादीशुदा हूं। शादी से पहले मेरी सिर्फ एक ही शर्त थी कि शादी के बाद भी सब कुछ पहले जैसा ही रहे। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरे लिए रिश्ते में सहजता और कंफर्ट सबसे महत्वपूर्ण रखता है। यही कारण है कि मैंने मैथियास से शादी की, क्योंकि उनमें एक सहजता है। मैं नहीं चाहती शादी से रिश्ते में बदलाव आए मैथियास बो एक प्रसिद्ध और ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। अब वो भारत में भी कई खिलाड़ियों को कोचिंग दे रहे हैं। तापसी ने बताया कि शादी के बाद वो डेनमार्क नहीं गईं, बल्कि मैथियास यहां भारत में रहने लगे। मैथियास से शादी को लेकर तापसी ने कहा कि उनकी सहजता ही इसकी वजह थी। कोई भावनात्मक बोझ नहीं था, कोई बाध्यता नहीं थी। मैं कभी नहीं चाहती थी कि शादी पहचान में बदलाव का एहसास कराए। मेरा मानना है कि अगर रिश्ते में बदलाव आता, तो इसे औपचारिक रूप देने का कोई मतलब नहीं होता। हमें सचमुच एक-दूसरे के साथ रहना पसंद है। तभी हमने आगे बढ़ने का फैसला किया। क्योंकि लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में कई चुनौतियां आ रही थीं। शादी में एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए तापसी का मानना है कि शादी में भी कभी एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उनका कहना है कि लड़कियों को शादी तभी करनी चाहिए, जब अपने बल पर खड़ी हो चुकी हों। उन्हें अपने पति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, इससे रिश्ते में समानता बनी रहती है। उन्होंने बताया कि अपनी शादी में भी वो और मैथियास अपने-अपने पैसों का हिसाब अलग-अलग ही रखते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि शादी के बाद भी मैंने जो भी प्रॉपर्टी ली है, वो अपने नाम पर ही ली है। इससे एक-दूसरे पर निर्भरता नहीं आती।

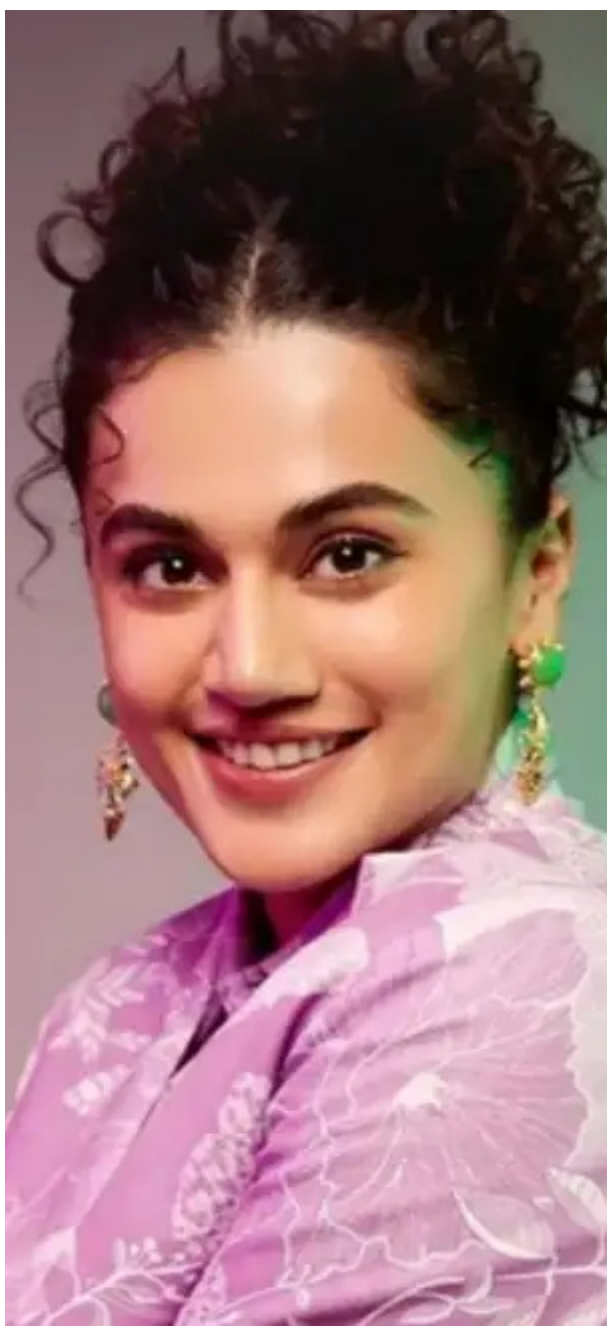

यूपी बोर्ड परीक्षा में लापरवाही पर डीएम सख्त,19 स्टैटिक मजिस्ट्रेटों का वेतन रोका

लखनऊ,,(संवाददाता)। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 के दौरान ड्यूटी में लापरवाही सामने आने पर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। निरीक्षण में 19 स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपने-अपने परीक्षा केंद्रों से अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से सभी संबंधित अधिकारियों का वेतन अगले आदेश तक रोकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्पष्टीकरण तलब किया है। स्पष्ट कर दिया गया है कि परीक्षा जैसे संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यालय जिलाधिकारी, लखनऊ से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा-2026 को सकुशल, निर्विघ्न और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के 121 परीक्षा केंद्रों पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को स्टैटिक मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया था। इसके लिए 6 फरवरी 2026 को जारी अलग-अलग आदेशों के माध्यम से अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई थी। इनका दायित्व परीक्षा केंद्रों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखना, नकल रोकना और परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करना था। जिला विद्यालय निरीक्षक, लखनऊ द्वारा 18 फरवरी 2026 को भेजी गई आख्या में यह जानकारी दी गई कि प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान 19 परीक्षा केंद्रों पर नियुक्त स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु उपस्थित नहीं हुए। यह तथ्य सामने आते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि संबंधित अधिकारियों ने न तो समय पर उपस्थिति दर्ज कराई और न ही अनुपस्थिति की पूर्व सूचना दी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के उलट टैरिफ की वापसी कैसे ?: क्या है 'धारा 122', जो ट्रंप के लिए आपदा में बनी अवसर

वॉशिंगटन : अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को रद्द कर अवैध ठहराया। इसके तुरंत बाद ट्रंप ने अमेरिकी कानून की एक धारा 122 का उपयोग कर 150 दिनों के लिए आयातित वस्तुओं पर 10% अस्थायी टैरिफ लगाने की घोषणा की। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि आखिर अमेरिका राष्ट्रपति के विशेषाधिकार वाली 'धारा 122' क्या है? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर शुक्रवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने करारा वार करते हुए पूरी तरह से अवैध करार दिया और रद्द कर दिया। हालांकि इसके तुरंत बाद ट्रंप ने सभी देशों पर 150 दिनों की अवधि के लिए अमेरिका में आयातित सामान पर 10 प्रतिशत का दुनियाभर पर लगाए गए दस प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ 150 दिनों के बाद अपने आप समाप्त हो जाएंगे, जब तक कि कांग्रेस उन्हें बढ़ाने के लिए वोट न करे। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि राष्ट्रपति चाहें तो समय से पहले भुगतान संतुलन आपातकाल की घोषणा कर इन उपायों को दोबारा लागू कर सकते हैं। अब समझिए किन वस्तुओं पर टैरिफ नहीं लगेगा व्हाइट हाउस की ओर से जारी फैक्टशीट में बताया गया है कि इस टैरिफ की घोषणा के बाद कुछ जरूरी वस्तुओं पर यह शुल्क अस्थायी टैरिफ लगाने का एलान किया। यह शुल्क 24 फरवरी से लागू होगा। बताया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के उलट ट्रंप ने अमेरिकी कानून की धारा 122 का उपयोग करते हुए यह एलान किया। इस बात की जानकारी व्हाइट हाउस ने एक फैक्टशीट जारी कर दी। फैक्टशीट में बताया गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122 के तहत यह कदम उठाया है। इसके जरिए राष्ट्रपति कुछ आधारभूत अंतरराष्ट्रीय भुगतान समस्याओं को दूर करने के लिए अस्थायी आयात शुल्क और विशेष प्रतिबंध लगा सकते हैं। 150 दिनों बाद समाप्त हो जाएंगे टैरिफ बता दें कि अमेरिकी कानून धारा 122 के तहत लागू नहीं होगा। इनमें कुछ महत्वपूर्ण खनिज और धातुएं, ऊर्जा और ऊर्जा उत्पाद, प्राकृतिक संसाधन और उर्वरक, कृषि उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स और संबंधित सामग्री और कुछ इलेक्ट्रॉनिक्स और यात्री वाहन शामिल है। क्या व्यापार घाटे का सामना कर रहा अमेरिका? हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी टैरिफ नीति का बचाव करते हुए कई बाड़ी बातें कही। उन्होंने जोर दिया कि अमेरिका को इन दिनों आधारभूत अंतरराष्ट्रीय भुगतान समस्याओं (व्यापार घाटे) का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू उत्पादन में कमी के कारण अमेरिका को अधिकांश जरूरतों की वस्तुएं विदेशों से आयात करनी पड़ती हैं, जिससे डॉलर अमेरिका की अर्थव्यवस्था से बाहर चला जाता है। ट्रंप ने व्यापार मंत्रालय को आदेश भी दिया, जानिए ट्रंप ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय को आदेश दिया है कि वह धारा 301 के तहत कुछ ऐसे विदेशी कानून, नीतियां और प्रथाएं जांचें जो अमेरिकी व्यापार पर गलत प्रभाव डालती हैं या उसे रोकती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, धारा 122 के तहत टैरिफ लगाने के लिए औपचारिक जांच की जरूरत नहीं होती, जिससे राष्ट्रपति तुरंत कार्रवाई कर सकते हैं। इस कदम से अमेरिका अपने व्यापार घाटे और भुगतान संतुलन की चुनौतियों का सामना करने की कोशिश कर रहा है, जबकि वैश्विक व्यापार पर भी इसके असर पड़ने की संभावना है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने क्या कहा? दूसरी ओर अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्पष्ट किया है कि शुल्क नीति यानी टैरिफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक रणनीति का अहम हिस्सा बना रहेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने प्रशासन को एक विशेष कानूनी प्रावधान के तहत टैरिफ लगाने के अधिकार के उपयोग पर रोक लगा दी है। हालांकि वित्त मंत्री ने संकेत दिया इससे सरकार की व्यापक व्यापारिक नीति में कोई मूलभूत बदलाव नहीं आएगा। डलास के इकोनॉमिक क्लब में बोलते हुए वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सीधे तौर पर अदालत के फैसले पर बात की। उन्होंने कहा कि छह न्यायाधीशों ने स्पष्ट रूप से फैसला सुनाया है कि आईईईपीए (अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम) के तहत मिलने वाले अधिकारों का इस्तेमाल एक डॉलर भी राजस्व जुटाने के लिए नहीं किया जा सकता है। आलोचकों को वित्त मंत्रा का करारा जवाब उन्होंने कोर्ट के इस फैसले को झटका बताने वाले आलोचकों को करारा जवाब दिया। बेसेंट ने कहा कि डेमोक्रेट्स, गलत जानकारी देने वाले मीडिया संस्थानों और हमारे औद्योगिक आधार को तबाह करने वाले लोगों के बेबुनियाद जश्न के बावजूद, अदालत ने राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ फैसला नहीं सुनाया है। इसके अलावा उन्होंने निरंतरता का संकेत भी दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन आईईईपीए टैरिफ को बदलने के लिए वैकल्पिक कानूनी अधिकारों का सहारा लेगा। उन्होंने धारा 232 और धारा 301 के तहत टैरिफ से संबंधित अधिकारों का हवाला दिया, जिन्हें उन्होंने हजारों कानूनी चुनौतियों के माध्यम से मान्य बताया।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से झटके बाद बढ़ी ट्रंप की मुश्किलें, अब 133 अरब डॉलर लौटाने की चुनौती

वॉशिंगटन: सुप्रीम कोर्ट से झटके के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने सबसे बड़ी मुश्किल खड़ी होने वाली है, जो है निर्यातकों से वसूले गए 133 अरब डॉलर लौटाना। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को अवैध करार देते हुए कहा है कि ये कानूनी रूप सही नहीं था। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे बड़े टैरिफ वाले फैसले को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि ट्रंप ने जिस आपातकालीन कानून का इस्तेमाल करके दुनिया भर के देशों पर आयात टैक्स लगाया था, वह कानूनी रूप से सही नहीं था। कोर्ट का कहना है कि आयात पर टैक्स लगाने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के पास होता है। लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि सरकार ने जो करीब 133 अरब डॉलर (लगभग 11 लाख करोड़ रुपये) टैरिफ के रूप में पहले ही वसूल कर लिए हैं, उनका क्या होगा। बड़ी-बड़ी कंपनियां अब अपने पैसे वापस मांग रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आखिरकार कंपनियों को रिफंड मिल सकता है, लेकिन यह प्रक्रिया बहुत लंबी, जटिल और विवादों से भरी रहने वाली है। रिफंड में कितना लगेगा समय और किसे मिलेगी राहत? जानकारों के मुताबिक, रिफंड का फैसला अमेरिकी कस्टम विभाग, इंटरनेशनल ट्रेड कोर्ट और अन्य अदालतों के जरिए तय होगा।

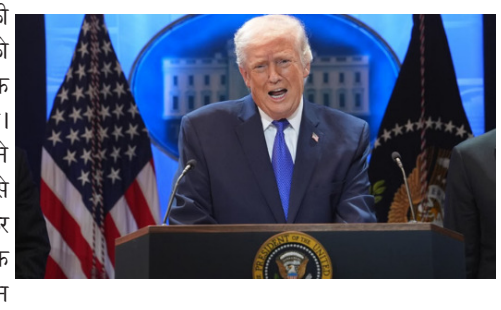

इसमें 12 से 18 महीने या उससे भी ज्यादा समय लग सकता है। कई कंपनियों ने तो पहले ही केस कर दिए हैं ताकि वे रिफंड की लाइन में सबसे आगे रह सकें। हालांकि आम लोगों को इस फैसले से सीधे पैसे वापस मिलने की उम्मीद नहीं है। वजह यह है कि टैरिफ का बोझ कंपनियों ने बढ़ी कीमतों के रूप में ग्राहकों पर डाल दिया था और यह साबित करना मुश्किल होगा कि किसी ग्राहक ने कितना अतिरिक्त पैसा दिया। इन कंपनियों ने रिफंड के लिए दायर किया केस कई बड़ी कंपनियां जैसे कॉस्टको, रेव्लॉन और बम्बल बी फूड्स पहले ही रिफंड के लिए मुकदमे दायर कर चुकी हैं, ताकि फैसला उनके पक्ष में आने पर उन्हें जल्दी पैसा मिल सके। आगे और भी कानूनी लड़ाइयां होने की संभावना है, क्योंकि कुछ निमार्ता यह भी दावा कर सकते हैं कि कच्चे माल की कीमत बढ़ाने वाले सप्लायरों से भी हिस्सा लिया जाए। रिफंड के लिए क्या है अमेरिकी कस्टम एजेंसी का नियम? अमेरिका की कस्टम एजेंसी के पास ऐसा नियम है जिसके तहत अगर आयातकों से गलती से ज्यादा शुल्क वसूला गया हो तो उन्हें पैसा वापस किया जा सकता है। ट्रेड वकील डेव टाउनसेंड के मुताबिक सरकार ट्रंप के आईईईपीए टैरिफ का पैसा लौटाने के लिए इसी पुराने सिस्टम का इस्तेमाल कर सकती है। पहले भी ऐसा हो चुका है- 1990 के दशक में अदालत ने निर्यात पर लगाए गए एक शुल्क को असंवैधानिक बताया था और कंपनियों को रिफंड लेने की व्यवस्था बनाई गई थी। इतिहास में पहली बार होगा अरबों डॉलर का रिफंड हालांकि इस बार मामला बहुत बड़ा है। हजारों आयातक और अरबों डॉलर की रकम एक साथ लौटानी पड़ सकती है, जो पहले कभी नहीं हुआ। वकीलों का कहना है कि प्रक्रिया कठिन जरूर है, लेकिन अगर पैसा गलत तरीके से लिया गया है तो सरकार उसे रोककर नहीं रख सकती।

भारतवंशी नील कात्याल कौन ?: जिन्होंने पलट दिया ट्रंप टैरिफ का पूरा खेल, बने ऐतिहासिक फैसले का चेहरा

वॉशिंगटन : अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक टैरिफ को असंवैधानिक करार दिया। अदालत ने कहा कि टैक्स लगाने का अधिकार केवल कांग्रेस को है। यह फैसला अमेरिकी लोकतंत्र और संविधान में शक्तियों के संतुलन को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक निर्णय माना जा रहा है। भारतीय मूल के वकील नील कात्याल ने इस मामले को चुनौती दी थी। ऐसे में इस खबर में जानेंगे कि नील कात्याल कौन हैं। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को असंवैधानिक करार देकर बड़ा फैसला सुनाया। इस ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में एक भारतीय मूल का नाम उभरा, नील कात्याल। नील ने ही अदालत में ट्रंप के उस कदम को चुनौती दी, जिसमें 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट यानी आईईईपीए का इस्तेमाल कर लगभग सभी व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ लगाए गए थे। नील कात्याल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राष्ट्रपति ने आपात आर्थिक शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरअसल टैक्स होते हैं और टैक्स लगाने का अधिकार केवल अमेरिकी कांग्रेस को है, न कि राष्ट्रपति को। कात्याल ने इन टैरिफ को अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक टैक्स बताया। सुप्रीम कोर्ट ने छह-तीन के बहुमत से कहा कि संविधान के तहत टैक्स लगाने की शक्ति कांग्रेस के पास है। जीत के बाद क्या बोले नील कात्याल? सुप्रीम कोर्ट ने कानून के शासन और आम अमेरिकियों के अधिकारों की रक्षा की है। राष्ट्रपति शक्तिशाली होते हैं, लेकिन संविधान उनसे भी अधिक शक्तिशाली है। अमेरिका में टैक्स लगाने का अधिकार केवल कांग्रेस के पास है, राष्ट्रपति के पास नहीं। अदालत ने हमारी कानूनी दलीलों को पूरी तरह स्वीकार किया। अदालत ने वही फैसला दिया जिसकी मांग की गई थी। यह मामला किसी एक राष्ट्रपति के खिलाफ नहीं है। ये मामला शक्तियों के संतुलन और संवैधानिक व्यवस्था की रक्षा से जुड़ा था। किसने दायर किया था मामला? यह मामला छोटे अमेरिकी कारोबारियों द्वारा दायर किया गया था, जिन्हें लगा कि टैरिफ से उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है। ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ को राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक दबाव का जरूरी कदम बताया था। लेकिन अदालत ने साफ कहा कि आपात शक्तियों के नाम पर राष्ट्रपति व्यापक टैक्स नहीं लगा सकते। नील कात्याल के माता-पिता के बारे में जानें नील कात्याल का जन्म शिकागो में भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर हुआ। उनके पिता इंजीनियर और माता डॉक्टर थीं। उन्होंने डार्टमाउथ कॉलेज और येल लॉ स्कूल से पढ़ाई की। वह अमेरिका के कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल रह चुके हैं और सुप्रीम कोर्ट में 50 से अधिक मामलों में पैरवी कर चुके हैं। वह कई बड़े संवैधानिक मामलों में अहम भूमिका निभा चुके हैं। पहले भी दे चुके ट्रंप को चुनौती कात्याल वर्तमान में मिलबैंक एलएलपी में साझेदार हैं और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1965 के वोटिंग राइट्स एक्ट की संवैधानिकता का बचाव किया, ट्रंप के 2017 ट्रैवल बैन को चुनौती दी और कई राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में सरकार का प्रतिनिधित्व किया। वह जॉर्ज फ्लॉयड हत्या मामले में मिनेसोटा राज्य के विशेष अभियोजक भी रह चुके हैं। कात्याल ने बताई लोकतंत्र की ताकत सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भविष्य में किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति की आपात आर्थिक शक्तियों के इस्तेमाल पर सीमा तय करता है। कात्याल ने कहा कि एक प्रवासी परिवार का बेटा अदालत में खड़ा होकर कह सकता है कि राष्ट्रपति कानून तोड़ रहे हैं, और अदालत उसे सुनती है, यही लोकतंत्र की ताकत है। यह फैसला अमेरिकी संविधान और शक्तियों के संतुलन के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

'टैरिफ से वसूला हुआ पैसा वापस होना चाहिए', टैरिफ पर बवाल के बीच बोले अमेरिकी सांसद

वॉशिंगटन : अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक वैश्विक टैरिफ को अवैध करार दिया। इसके बाद सीनेटर चक शूमर ने कहा कि वसूला गया पैसा लौटाया जाए। ट्रंप ने फैसले को शर्मनाक बताते हुए 10 प्रतिशत अस्थायी टैरिफ लागू कर दिया। मामला अब अदालत और राजनीति दोनों में गर्म है। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप की व्यापार नीति पर सियासी घमासान और तेज हो गया है। अमेरिकी सीनेटर चक शूमर ने ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को ह्लगैरकानूनीह्व बताते हुए साफ कहा है कि जो पैसा वसूला गया है, वह लौटाया जाना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी सुप्रीम

कोर्ट ने 20 फरवरी 2026 को ट्रंप की व्यापक वैश्विक टैरिफ नीति को 6-3 के बहुमत से अवैध करार दिया है। अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों से आगे जाकर फैसला लिया। सीनेटर शूमर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने वही किया जो कानून के अनुसार सही था। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप ने देश से जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुए। मैन्युफैक्चरिंग नौकरियां बढ़ने के बजाय घटी हैं। कीमतें कम होने की जगह बढ़ी हैं। शूमर के अनुसार, टैरिफ के कारण आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप ने अपने भाषण में बढ़ती कीमतों पर कोई बात नहीं की और न्यायाधीशों पर व्यक्तिगत टिप्पणी की, जो गलत है। सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत ट्रंप ने जो व्यापक टैरिफ लगाए, वह उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर था। अदालत ने स्पष्ट किया कि टैरिफ लगाने का अधिकार कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। इस फैसले को ट्रंप की व्यापार नीति के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। ट्रंप की तीखी प्रतिक्रिया फैसले के बाद ट्रंप ने इसे शर्मनाक बताया और तुरंत एक अन्य कानून के तहत अस्थायी 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लागू करने पर हस्ताक्षर कर दिए। उन्होंने कहा कि वह देश के हित में आयात शुल्क बनाए रखने के लिए कानूनी विकल्प तलाशेंगे। इससे साफ है कि व्यापार नीति को लेकर उनका रुख अभी भी सख्त है। पैसा नहीं लौटा तो फिर अदालत जब शूमर से पूछा गया कि अगर पैसा वापस नहीं किया गया तो क्या होगा, तो उन्होंने कहा, ह्लअदालत में मिलेंगे।ह्व उनका कहना है कि अगर टैरिफ अवैध हैं तो उससे वसूला गया पैसा भी अवैध है और उसे लौटाना ही होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप कई मामलों में कानून की अनदेखी करते रहे हैं, लेकिन अदालतों ने उन्हें कई बार जिम्मेदार ठहराया है। राजनीतिक और आर्थिक असर इस फैसले के बाद अमेरिका में व्यापार नीति, महंगाई और राष्ट्रपति की शक्तियों की सीमा को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। कई सांसदों ने फैसले का स्वागत किया है, जबकि कुछ ने चिंता जताई है कि इससे बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि क्या सरकार टैरिफ से वसूली गई रकम लौटाएगी और आगे की नीति क्या होगी। यह मामला आने वाले समय में अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था दोनों पर असर डाल सकता है।

लेबनान में इस्राइली हमलों से 12 की मौत, बच्चों समेत 24 घायल; क्षेत्रीय तनाव और गहराया

बेरूत : लेबनान की बेका घाटी में इस्राइली हवाई हमलों में 12 लोगों की मौत और 24 घायल हुए। सैदा के फलस्तीनी शरणार्थी शिविर में भी दो लोग मारे गए। इस्राइल ने हिजबुल्लाह और हमास के ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। हमास ने आरोपों को खारिज किया। मध्य पूर्व में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में इस्राइल के हवाई हमलों में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। उसी दिन सैदा शहर के एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर हुए अलग हमले में दो और लोगों की जान गई। इन घटनाओं से क्षेत्र में हालात और संवेदनशील हो गए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार को बेका घाटी में कई ठिकानों पर हवाई हमले हुए। स्थानीय टीवी फुटेज में एक बहुमंजिला इमारत को निशाना बनते दिखाया गया। हमले के बाद इमारत में आग लग गई और राहत टीमें मलबे में फंसे लोगों की तलाश करती रहीं। इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने हिजबुल्लाह के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हिजबुल्लाह की ओर से तुरंत कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई। सैदा में शरणार्थी शिविर पर हमला दिन में पहले सैदा के ऐन अल-हिलवेह फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर भी हमला हुआ। इस्राइल ने कहा कि उसने हमास के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हमास ने दो सदस्यों की मौत की पुष्टि की, लेकिन कहा कि कमांड सेंटर पर हमले का दावा कमजोर बहाना है। संगठन ने कहा कि जिस इमारत को निशाना बनाया गया वह विभिन्न फलस्तीनी गुटों की संयुक्त सुरक्षा इकाई की थी। संघर्ष की पृष्ठभूमि अक्तूबर 2023 में हमास के नेतृत्व में इस्राइल पर हुए हमले के बाद गाजा में युद्ध शुरू हुआ। इसके समर्थन में हिजबुल्लाह ने लेबनान से इस्राइल पर रॉकेट दागे। जवाब में इस्राइल ने हवाई हमले और गोलाबारी की। सितंबर 2024 में यह टकराव व्यापक युद्ध में बदल गया। दो महीने बाद अमेरिका की मध्यस्थता से युद्धविराम हुआ, लेकिन पूरी तरह शांति बहाल नहीं हो सकी। तब से इस्राइल लेबनान में नियमित हमले करता रहा है। बढ़ता क्षेत्रीय तनाव शुक्रवार के हमलों में मौतों की संख्या असामान्य रूप से अधिक रही। यह उस समय हुआ है जब अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत विफल होती है तो सैन्य कार्रवाई हो सकती है। ईरान हिजबुल्लाह और हमास का समर्थक माना जाता है। लेबनान में आशंका है कि यदि इस्राइल और ईरान के बीच नया संघर्ष छिड़ता है तो देश फिर से बड़े युद्ध में खिंच सकता है।

बड़े कॉरपोरेट रहे चुप, एक खिलौना कारोबारी ने ट्रंप से लिया लोहा; जानें रिक वोल्डेनबर्ग कौन

वॉशिंगटन: रिक वोल्डेनबर्ग, शिकागो के पास स्थित शैक्षणिक खिलौना कंपनी लर्निंग रिसोर्सेज के सीईओ, ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उनका कहना था कि ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ छोटे कारोबारियों पर भारी बोझ डाल रहे हैं। इस कानूनी लड़ाई में अरबों डॉलर का व्यापार दांव पर था और फैसला छोटे उद्योगों के लिए अहम साबित हुआ। अमेरिका में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति पर राजनीतिक बयानबाजी तेज थी और बड़े कॉरपोरेट घराने खामोश थे, तब एक खिलौना कारोबारी ने सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। यह कहानी किसी बड़े उद्योगपति की नहीं, बल्कि एक पारिवारिक कंपनी चलाने वाले सीईओ की है, जिसने माना कि नीति गलत है तो उसका विरोध होगा। फिर वो लड़ाई चाहे देश की सरकार या फिर राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ ही क्यो न हो। ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले कोई और नहीं बल्कि रिक वोल्डेनबर्ग है। वोल्डेनबर्ग का कहना था कि यह सिर्फ व्यापार का मामला नहीं, बल्कि पीढ़ियों से खड़े किए गए कारोबार के अस्तित्व की लड़ाई थी। रिक वोल्डेनबर्ग शिकागो के पास स्थित शैक्षणिक खिलौना कंपनी लर्निंग रिसोर्सेज के सीईओ हैं। उनकी कंपनी की स्थापना उनकी मां ने की थी। 'लिबरेशन डे' टैरिफ की घोषणा के कुछ ही दिनों के भीतर उन्होंने वकीलों से संपर्क किया और राष्ट्रपति के फैसले को अदालत में चुनौती दी। उनका आरोप था कि आईईईपीए कानून के तहत लगाए गए टैरिफ छोटे और मध्यम उद्योगों पर भारी बोझ डाल रहे हैं, जबकि बड़ी कंपनियां लॉबिंग और संसाधनों के दम पर खुद को बचा लेती हैं। वोल्डेनबर्ग ने क्यों लड़ी ये लड़ाई? कंपनी के ज्यादातर शैक्षणिक खिलौने एशिया में बनते हैं, इसलिए टैरिफ बढ़ते ही लागत अचानक बढ़ गई। बढ़े हुए आयात शुल्क के कारण मुनाफा घटने लगा और व्यापार पर सीधा असर पड़ा। नए वेयरहाउस का प्रोजेक्ट रद्द करना पड़ा। मार्केटिंग बजट में कटौती करनी पड़ी। नई भर्तियां रोक दी गईं और विस्तार की योजनाएं ठप हो गईं। वोल्डेनबर्ग को पहले ही अंदेशा था कि आय घटेगी और कंपनी सिमटेगी, और बाद में यही हुआ भी। एक खिलौने से भड़की चिंगारी कंपनी का लोकप्रिय उत्पाद 'बबल प्लश योगा बॉल बडीज' इस विवाद का प्रतीक बन गया। पहले चीन में उत्पादन हुआ, फिर भारत में शिफ्ट किया गया। उसके बाद अचानक नए टैरिफ लागू हो गए। एक शिपमेंट पर कंपनी को लगभग 50,000 डॉलर अतिरिक्त शुल्क देना पड़ा। वोल्डेनबर्ग ने कहा कि उत्पादन को बार-बार देशों में बदलना पड़ा, जैसे कंपनी भटकती फिर रही हो। इस कानूनी लड़ाई में बड़े अमेरिकी कॉरपोरेट आगे नहीं आए। जानकारों का कहना है कि बड़ी कंपनियों के पास नकदी भंडार और सप्लाई चेन प्रबंधन की क्षमता होती है। वे अदालत के बजाय लॉबिंग का रास्ता अपनाती हैं। इसके उलट, दर्जनों छोटे कारोबारियों और कुछ गैर-लाभकारी संगठनों ने वोल्डेनबर्ग का समर्थन किया। और कोर्ट में ही लड़ाई लड़ी।

वोल्डेनबर्ग ने क्यों खोला ट्रंप के खिलाफ मोर्चा

- कंपनी के ज्यादातर शैक्षणिक खिलौने एशिया में बनते हैं।
- नए वेयरहाउस का प्रोजेक्ट रद्द करना पड़ा।
- नई भर्तियां रोक दी गईं और विस्तार की योजनाएं ठप हो गईं।
- मार्केटिंग बजट में कटौती

ट्रंप ने दुनिया भर के देशों पर अब लगाया नया टैरिफ, इन धाराओं का किया इस्तेमाल

वॉशिंगटन: अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन के पुराने टैरिफ को गलत तरीका बताया, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरे कानूनों के जरिए नए टैरिफ लगाकर अपनी नीति को जारी रखा है। वहीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा कि यह 'कोर्ट की तरफ से कानून-व्यवस्था में हस्तक्षेप' जैसा है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार को बड़ा कानूनी झटका लगा है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने छह-तीन के फैसले में कहा कि राष्ट्रपति ने एक कानून का गलत इस्तेमाल करके दुनिया भर के देशों पर टैरिफ (आयात शुल्क) लगाया था। क्या था पूरा मामला? ट्रंप सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम, 1977 (आईईईपीए) नाम के कानून का इस्तेमाल करके कई देशों पर बड़े पैमाने पर टैरिफ लगा दिए थे। लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह कानून राष्ट्रपति को टैक्स या टैरिफ लगाने की शक्ति नहीं देता। संविधान के अनुसार टैरिफ लगाने का अधिकार सिर्फ अमेरिकी संसद के पास है। कोर्ट ने अपने फैसले क्या कहा? छह जजों ने कहा कि आईईईपीए के तहत टैरिफ लगाना गलत था। तीन जजों ने ट्रंप सरकार का समर्थन किया और असहमति जताई।

क्या पूर्व प्रिंस एंड्रयू की गिरफ्तारी से डगमगाएगी राजशाही? 350 साल पहले हुई थी कुछ ऐसी घटना

ब्रिटेन में पूर्व प्रिंस और एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर की गिरफ्तारी से राजशाही पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। हालांकि, ये गिरफ्तारी राजशाही को तुरंत खत्म नहीं करेगी, लेकिन यह तय है कि आज के समय में शाही परिवार भी कानून और जनमत से ऊपर नहीं है। ब्रिटिश राजघराने में यह दूसरी ऐसी घटना है,350 साल पहले हुई थी कुछ ऐसी घटना इतिहासकार बताते हैं कि लगभग 350 साल पहले, 1649 में राजा चार्ल्स-कको गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया था और बाद में उन्हें फांसी दी गई थी। उस घटना के बाद कुछ समय के लिए ब्रिटेन में राजशाही ही खत्म हो गई थी। इस वजह से अब एंड्रयू की गिरफ्तारी की तुलना उसी ऐतिहासिक घटना से की जा रही है- हालांकि इस बार स्थिति उतनी गंभीर नहीं है। अब क्यों ज्यादा असर पड़ रहा है?

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।